सांध्य दैनिक

श्रीकंचनपथ

लीपा पोती नहीं सिर्फ सच

RNI. Reg. No. CHHHIN/2009/30534

डाक पंजीयन क्रं.-छ.ग./ दुर्ग /94/2023-25

वर्ष- 16 अंक - 234 | www.shreekanchanpath.com | संस्थापक एवं प्रेरणास्रोत- स्व. श्रीमती रजनी अग्रवाल | भिलाई, शनिवार 07 जून 2025 | पृष्ठ 8- मूल्य 1/-

खास-खबर

छत्तीसगढ़ तेज धूप और उमस, 4 दिनों में 2 से 4 डिग्री बढ़ेगा पारा

रायपुर। छत्तीसगढ़ प्रदेश में इन दिनों मौसम का मिजाज बदल गया है। बारिश नहीं होने की वजह से तापमान में बढ़ोतरी दर्ज की जा रही है। वहीं दूसरी ओर मानसून ने तय समय से पहले दस्तक दी, लेकिन इसका खास असर देखने को नहीं मिल रहा है। मानसूनी सिस्टम थोड़ा कमजोर हो गया है। पिछले सप्ताहभर से मानसून नारायणपुर और कोंडागांव से आगे बढ़ ही नहीं पा रहा है। बस्तर में ही ठहर हुआ है। अब छत्तीसगढ़ प्रदेश में कहीं बारिश तो कहीं तेज धूप के साथ उमस भरी और भीषण गर्मी का सामना करना पड़ रहा है।

मौसम विभाग ने बताया कि मौसमी सिस्टम के कमजोर होने से मानसून आगे बढ़ नहीं पा रहा है। बस्तर से मानसून आगे बढ़ने में कुछ दिनों इंतजार करना पड़ सकता है। मौसम विभाग के अनुसार बस्तर, बीजापुर, दंतेवाड़ा और सुकमा में यलो अलर्ट जारी किया गया है। इन क्षेत्रों में गरज-चमक के साथ तेज हवा और हल्की बारिश हो सकती है। साथ ही अन्य जिलों में मौसम सामान्य रहेगा। राजधानी रायपुर में सुबह से ही मौसम साफ है। सुबह से ही तेज धूप है। यहां अधिकतम तापमान 41 डिग्री और न्यूनतम तापमान 28 डिग्री के आसपास रहने की संभावना है। वहीं प्रदेश में पिछले 24 घंटों में एक-दो जगह पर बारिश हुई है। दरभा, महासमुंद में 2, मनोरा, कोटाडोल और सोनहत में 1-1 सेमी बारिश दर्ज की गई है।

प्रधानमंत्री और गृहमंत्री से मिलकर मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने दिखाई छत्तीसगढ़ की नई तस्वीर

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय बोले- अब डर से नहीं डिजिटल बदलाव से पहचाना जा रहा है बस्तर

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने शुक्रवार को नई दिल्ली में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी मुलाक़ात की। इस दौरान उन्होंने बस्तर में शांति व्यवस्था, विभिन्न योजनाओं एवं उपलब्धियों पर चर्चा की। इसके साथ ही हाल ही में छत्तीसगढ़ में आयोजित सुशासन तिहार की प्रधानमंत्री को जानकारी दी। दिल्ली प्रवास के दौरान मुख्यमंत्री ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से भी उनके आवास पर मुलाकात की। जहां राज्य के विकास, नक्सल ऑपरेशन सहित अन्य प्रमुख मुद्दों पर चर्चा हुई।

मुख्यमंत्री ने बताया कि अब बस्तर का चेहरा बदल रहा है, जो कभी बंदूक और बारूदी सुरंगों के लिए जाना जाता था, आज वहाँ मोबाइल टावर खड़े हो रहे हैं, जो सिर्फ संचार का माध्यम नहीं बल्कि विकास और विश्वास के प्रतीक बन चुके हैं। मुख्यमंत्री श्री साय ने बताया कि सरकार द्वारा विगत डेढ़ वर्ष में 64 नए फॉरवर्ड सुरक्षा कैंपों की स्थापना की गई है। इन सुरक्षा चौकियों के आसपास गांवों में न केवल पुलिस की उपस्थिति से सुरक्षा की भावना बनी है, बल्कि इन इलाकों में अब नेटवर्क भी पहुंच गया है। सरकार ने अब तक कुल 671 मोबाइल टावर चालू कर दिए हैं, जिनमें से 365 टावरों में 4त सेवा उपलब्ध है। यह न सिर्फ तकनीकी बदलाव है, बल्कि यह संकेत है कि अब आदिवासी क्षेत्रों में संचार क्रांति की शुरुआत हो चुकी है।

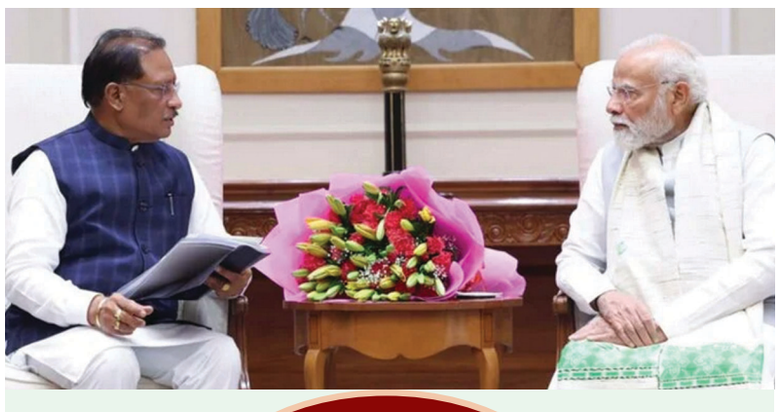

प्रधानमंत्री को नालंदा परिसर की जानकारी भी दी

मुख्यमंत्री साय ने प्रधानमंत्री को नालंदा परिसर की जानकारी भी दी, जो देश की पहली 24×7 हाईब्रिड सार्वजनिक लाइब्रेरी है। 18 करोड़ की लागत से बनी इस सुविधा में ई-लाइब्रेरी, यूथ टॉवर, हेल्थ जोन और सौर ऊर्जा आधारित व्यवस्था है। अब तक 11,000 से अधिक छात्र लाभांवित हो चुके हैं, जिनमें 300 से अधिक छात्र यूपीएससी और सीजी पीएससी में सफलता पाई है। साथ ही, मुख्यमंत्री ने 'प्रयास' मॉडल की भी जानकारी दी, जिसमें वंचित व आदिवासी बच्चों को आईआईटी, नीट, क्लैट जैसी परीक्षाओं की तैयारी कराई जाती है। अब तक 1508 छात्र चुनिंदा राष्ट्रीय संस्थानों में प्रवेश पा चुके हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मुख्यमंत्री साय के प्रयासों की सराहना की और छत्तीसगढ़ के विकास में केंद्र सरकार के पूर्ण सहयोग का आश्वासन दिया।

अब डिजिटल दुनिया से जुड़ रहे बस्तर के युवा

मुख्यमंत्री ने कहा कि अब बस्तर में सिर्फ मोबाइल टावर नहीं लग रहे हैं, बल्कि ये टावर इस बात का सबूत हैं कि वहां के बच्चे और युवा भी अब डिजिटल दुनिया से जुड़ रहे हैं। पहले जहां बच्चों को पढ़ाई या नौकरी की तैयारी के लिए शहर जाना पड़ता था, अब वही काम वे अपने गांव में मोबाइल नेटवर्क के ज़रिए ऑनलाइन कर पा रहे हैं। अब बस्तर का युवा भी स्मार्टफ़ोन से अपनी दुनिया खुद बना रहा है। मुख्यमंत्री साय ने बताया सुरक्षा कैंपों के इर्द-गिर्द बसते गांवों में अब बिजली, पानी, स्वास्थ्य और शिक्षा जैसी बुनियादी सुविधाएं पहुँच रही हैं। नियद नेल्लानार योजना के तहत चिन्हित 146 ग्रामों में 18 सामुदायिक सेवाएं और 25 तरह की सरकारी योजनाएं एक साथ क्रियान्वित की जा रही हैं।

सुशासन तिहार के तहत लगे सैकड़ों समाधान शिविर

मुख्यमंत्री ने बताया सुशासन तिहार के तहत अब तक सैकड़ों समाधान शिविर आयोजित किए गए हैं, जहां सांसद से लेकर विधायक तक गांव गांव पहुंचकर जनता की शिकायतों का समाधान किया। इन शिविरों में ग्रामीणों को राशन कार्ड, आधार, पेंशन, स्वास्थ्य परीक्षण, स्कूल प्रवेश, आयुष्मान कार्ड, प्रधानमंत्री आवास, उज्ज्वला गैस जैसी योजनाओं का लाभ एक ही मंच पर दिया गया है। मुख्यमंत्री श्री साय ने छत्तीसगढ़ में जल संरक्षण के लिए की जा रही योजनाओं और नवाचारों की विस्तारपूर्वक जानकारी दी। उन्होंने बताया कि राज्य सरकार जल संकट से निपटने के लिए मिशन मोड में काम कर रही है, और जनभागीदारी से लेकर तकनीकी उपायों तक, हर स्तर पर प्रभावी प्रयास किए जा रहे हैं।

गांव-गांव में पानी बचाने के नए तरीके अपना रही सरकार

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने प्रधानमंत्री को बताया कि छत्तीसगढ़ में अब बारिश के दिन कम हो गए हैं-पहले जहाँ लगभग 100 दिन बारिश होती थी, अब सिर्फ़65 दिन ही होती है। तकनीक के तहत गांव-गांव में पानी बचाने के नए तरीके अपनाए जा रहे हैं। जहां पहले पानी बरसकर बह जाता था, अब उसे रोकने और जमा करने की कोशिश हो रही है। इस काम में आधुनिक तकनीक जैसे GIS मैपिंग और 'जलदूत' नाम का मोबाइल ऐप इस्तेमाल किया जा रहा है, जिससे यह पता चलता है कि कहां कितनी ज़रूरत है। सबसे खास बात यह है कि इस अभियान में महिलाएं बड़ी भागीदारी निभा रही हैं। महिला समूह तालाबों की सफाई, गहराई बढ़ाने, और पुराने जल स्रोतों को फिर से जीवित करने में आगे आ रही हैं। इस साझेदारी से गांवों में पानी की कमी दूर हो रही है और लोगों को अपने इलाके में ही साफ और पर्याप्त पानी मिल रहा है।

हारी बाजी जीतने की खुशी में फुटबॉल कोच को आया हार्ट अटैक, मैदान में मौत

श्रीकंचनपथ न्यूज

शुक्रवार को रिसाली में आयोजित फुटबाल स्पर्धा के दौरान दर्दनाक घटना घटी। यहां मैच में दौरान हारी बाजी जीतने के बाद फुटबॉल कोच इतना ज्यादा खुश हुआ कि उसे हार्ट अटैक आ गया। इसके कारण उसकी मैदान में ही मौत हो गई। मृतक की टीम यहां सेमीफाइनल मैच में 3-0 से पिछड़ने के बाद 4-3 से जीत दर्ज की इसकी खुशी में कोच को हार्ट अटैक आ गया।

मिली जानकारी के अनुसार जीई रोड बजरंग पारा भिलाई-3 निवासी सुरेश राउत फुटबाल खिलाड़ी होने के साथ ही फाइनेंस कंपनी में काम करते थे। वर्तमान में वे भिलाई-3 न्यू मशाल क्लब फुटबाल टीम (जूनियर) के कोच के रूप में बच्चों को प्रशिक्षण देते थे। वे शुक्रवार को रिसाली के दशहरा मैदान के पास स्थित फुटबाल ग्राउंड में अपनी टीम को लेकर पहुंचे थे। यहां पर फुटबाल स्पर्धा में जूनियर वर्ग की टीम का सेमीफाइनल मैच था।

मैच के दौरान प्रतिद्वंद्वी टीम ने तीन गोल दागकर 3-0 की बढ़त हासिल करली। इसके बाद न्यू मशाल क्लब की टीम ने तीन गोल दागे। इसके बाद न्यू मशाल क्लब के खिलाड़ियों ने एक और गोल दागते हुए स्पर्धा जीत लिया। इसके बाद मैदान पर टीम के खिलाड़ियों के साथ कोच सुरेश राउत का उत्साह व जोश देखते ही बन रहा था। बताया जाता है कि कुछ देर बाद ही मैदान के बाहर खिलाड़ी व कोच बैठकर नाश्ता करने लगे। इस दौरान कोच सुरेश की तबीयत बिगड़ गई। वह कुर्सी से नीचे गिर पड़े जिन्हें वहां मौजूद लोगों ने उठाया और स्थिति को देखते हुए पास के ही अस्पताल में पहुंचाया। जहां डाक्टरों ने जांच उपरांत उन्हें मृत घोषित कर दिया। वहां से उनके शव को सुपेला सरकारी अस्पताल के मरच्यूरी में लाया गया। इस घटना के बाद फुटबाल खिलाड़ियों में शोक की स्थिति है।

छत्तीसगढ़ में कोविड-19 के अब तक 50 मरीजों की पुष्टि, स्वास्थ्य विभाग ने कहा- सामान्य लक्षण

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ में वर्तमान में कोविड-19 के जो भी मामले सामने आए हैं, उनमें अधिकतर मरीजों में सामान्य इंफ्लूएंजा जैसे लक्षण ही देखे जा रहे हैं, जैसे हल्का बुखार, सर्दी-खांसी या गले में खराश। विशेषज्ञों के अनुसार, इन लक्षणों के चलते अस्पताल में भर्ती करने की आवश्यकता नहीं पड़ी है और मरीजों की स्थिति स्थिर बनी हुई है। अब तक राज्य में कुल 1183 लोगों की जांच की गई है, जिनमें से 50 व्यक्तियों में संक्रमण की पुष्टि हुई है। स्वास्थ्य विभाग द्वारा यह स्पष्ट किया गया है कि सभी संक्रमितों में सिर्फ सामान्य सर्दी-खांसी जैसे हल्के लक्षण पाए गए हैं और केवल गंभीर लक्षण वाले व्यक्तियों को चिकित्सालय में उपचार हेतु संदर्भित करने के लिए निर्देश दिये गये है।

आयुक्त सह संचालक स्वास्थ्य सेवाएं ने स्पष्ट किया कि स्वास्थ्य विभाग ने संक्रमण की रोकथाम के लिए आवश्यक सभी कदम उठाए हैं। जिन व्यक्तियों में संक्रमण की पुष्टि हुई है, उनके संपर्क में आए लोगों की पहचान कर जांच की जा रही है। साथ ही, उनके निवास क्षेत्रों में स्वास्थ्य दल भेजकर सर्वेक्षण किया गया है। यदि किसी में लक्षण पाए जा रहे हैं तो उसकी जांच कराई जा रही है, और गंभीर लक्षण होने की स्थिति में उपचार के लिए अस्पताल भेजा जा रहा है।

विशेषज्ञों की सलाह : घबराएं नहीं, सतर्क रहें

भारत सरकार के स्वास्थ्य विशेषज्ञों के अनुसार, वर्तमान में कोविड-19 के लक्षण सामान्य फ्लू की तरह ही हैं, जिससे घबराने की आवश्यकता नहीं है। राज्य सरकार ने मौसमी बीमारियों और कोविड-19 दोनों से निपटने के लिए पूरी तैयारी कर ली है। स्वास्थ्य विभाग ने नागरिकों से अपील की है कि यदि किसी में हल्के सर्दी-जुकाम, बुखार या गले में खराश जैसे लक्षण दिखें, तो वह निकटतम स्वास्थ्य केंद्र में संपर्क करें। सभी नागरिकों से अनुरोध है कि वे सजग रहें, लेकिन भयभीत न हों। राज्य सरकार ने भारत सरकार के दिशा-निर्देशों के अनुसार कोविड-19 एवं मौसमी बीमारियों के संभावित मरीजों के उपचार की संपूर्ण व्यवस्था सुनिश्चित की है। अस्पतालों में दवाएं, परीक्षण सुविधा एवं चिकित्सकीय संसाधन पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध हैं।

राज्य भर में मॉक ड्रिल, सभी अस्पताल तैयार

5 जून 2025 को पूरे राज्य के अस्पतालों में कोविड-19 की रोकथाम एवं उपचार की तैयारियों को परखने के लिए मॉक ड्रिल आयोजित की गई। इस दौरान सभी जिलों की व्यवस्थाओं की समीक्षा की गई और संक्रमण से निपटने के लिए आवश्यक निर्देश दिए गए। स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल ने निर्देश दिया है कि राज्य के सभी मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारियों, सिविल सर्जनों और मेडिकल कॉलेज से जुड़े अस्पताल कोविड-19 के संदिग्ध मामलों की निगरानी करें, आवश्यक जांच कराएं, और समय पर सैंपल परीक्षण की व्यवस्था सुनिश्चित करें।

मातृत्व अवकाश पर हाईकोर्ट ने सुनाया अपना फैसला

बिलासपुर। हाईकोर्ट ने एक महत्वपूर्ण फैसले में कहा है कि बच्चों को गोद लेने वाली महिला कर्मचारी भी चाइल्ड केयर, गोद लेने की छुट्टी या मातृत्व अवकाश की हकदार है। यह संविधान के अनुच्छेद 21 के तहत प्रत्येक मां का मौलिक अधिकार है कि वह अपने नवजात शिशु को मातृत्वपूर्ण देखभाल और स्नेह प्रदान कर सके, चाहे मातृत्व किसी भी प्रकार से प्राप्त हुआ हो। जस्टिस विभु दत्ता गुरु की बेंच ने स्पष्ट किया कि जैविक और गोद लेने वाली या सरोगेट माताओं के बीच मातृत्व लाभों को लेकर कोई भेदभाव नहीं किया जा सकता।

दुर्ग में बिना लाइसेंस के चल रही थी सुपारी फैक्ट्री, डेढ़ करोड़ का माल जब्त

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन विभाग ने दुर्ग जिले के कोनारी गांव में चल रहे एक सुपारी फैक्ट्री पर छापा मारा। यहां से विभाग ने डेढ़ करोड़ से ज्यादा की सुपारी जब्त की है। कंपनी बिना लाइसेंस के संचालित हो रहा था। आशंका है कि सुपारी का इस्तेमाल गुटखा बनाने के लिए किया जा रहा था। फिलहाल खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन विभाग ने फैक्ट्री को सील कर दिया है। जांच रिपोर्ट आने के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी।

दुर्ग कलेक्टर के निर्देश पर खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन विभाग टीम कोनारी गांव स्थित फैक्टरी पहुंची। कोमल फूड प्रोडक्ट फैक्टरी गुरमुख जुमनानी द्वारा संचालित की जा रही थी। विभाग के अधिकारियो को इस बात की सूचना मिली थी कि प्रतिबंधित जर्दा युक्त गुटखा बनाने के लिए इस जगह बड़े पैमाने पर सुपारी को काटा जा रहा है। इसके बाद फिर खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन विभाग के अधिकारियो ने छापेमारी की।

छापेमारी के दौरान फैक्टरी से 1050 बोरियो में 52 हजार 500 किलो कच्ची खड़ी सुपारी और 247 बोरियो में से 12 हजार 350 किलो कटी सुपारी को जब्त किया है। जब्त सुपारी की कुल कीमत 1 करोड़ 54 लाख रुपये से अधिक बताई गई है। इसके बाद फैक्ट्री को सील किया गया है। इस कार्रवाई में खाद्य सुरक्षा अधिकारी रिचा शर्मा के साथ जिले के अन्य खाद्य सुरक्षा अधिकारी नारद खोमरे, खीरसागर पटेल, लैब टेक्नीशियन प्रकाश परमार, सैंपल सहायक कामिनी महेश्वरी शामिल रहे।

समलैंगिक भी बना सकते हैं फैमिली

श्रीकंचनपथ

मद्रास हाईकोर्ट ने कहा है कि समलैंगिक जोड़े भी फैमिली बना सकते हैं। कोर्ट ने माना है कि शादी परिवार बनाने का एकमात्र तरीका नहीं है। वैसे मोटे तौर पर देखा जाए तो परिवार का मतलब समाज की सबसे छोटी इकाई से है। साधारणत: इसमें पति, पत्नी और बच्चों को ही शामिल माना जाता है। परिवार में पति या पत्नी के माता पिता या भाई बहन भी शामिल हो सकते हैं। पर जब परिवार के मुखिया और उसपर आश्रित लोगों की गिनती होती है तो कुछ नियम और शर्तें इसमें जुड़ जाती हैं। इसलिए जब समलैंगिक जोड़े परिवार बनाने या शादी करने की बात कहते हैं तो समाज की भौहें चढ़ जाती हैं। पुरुष-पुरुष या महिला-महिला साथ-साथ रह तो सकते हैं पर उनके बीच संतान की संभावना शून्य होती है। हालांकि दो बालिग लोगों को साथ रहने से रोकने के लिए कोई कानून नहीं है। पर यह स्थिति लिव-इन रिलेशनशिप से अलग है जहां स्त्री और पुरुष बिना विवाह किये साथ-साथ रहते हैं। इसलिए जब मद्रास हाईकोर्ट ने कहा कि समलैंगिक भी फैमिली बना सकते हैं तो लोगों का हैरान होना स्वाभाविक था। यह कैसी फैमिली जिसमें परिवार को आगे बढ़ाने की कोई गुंजायश ही नहीं है। ऐसी फैमिली तो केवल लिव-इन में रह सकती है, उसे परिवार की संज्ञा कैसे दी जा सकती है। संभवत: अदालत ने माना कि साथ रहने का एकमात्र उद्देश्य बच्चे पैदा करना या अपने वंश को आगे बढ़ाना नहीं हो सकता। परिवार बनाने की एक बड़ी वजह एक दूसरे का सहारा बनना और उससे सहारा प्राप्त करना भी हो सकता है। दोनों एक दूसरे को अपना उत्तराधिकारी भी बना सकते हैं। इसके खिलाफ भी कोई कानून नहीं है। समलैंगिक पार्टनर यदि एक दूसरे का सपोर्ट सिस्टम बनने को तैयार हैं और साथ रहना चाहते हैं तो इसमें किसी को कोई आपत्ति नहीं होनी चाहिए। दरअसल, मद्रास हाईकोर्ट की जस्टिस जी आर स्वामीनाथन और जस्टिस वी लक्ष्मीनारायणन की बेंच एक महिला की रिट याचिका पर सुनवाई कर रही थी। महिला का कहना था कि उसकी पार्टनर को परिवार वालों ने जबरन घर में कैद कर दिया है और उससे मिलने नहीं दिया जा रहा। कोर्ट ने कहा- ऐसा लगता है कि महिला को जबरन उसके घर ले जाया गया और पीटा गया। परिवार के सदस्यों ने उसे कुछ खास रस्में करने के लिए भी मजबूर किया ताकि वह 'सामान्य' हो जाए। यहां ध्यान रखना होगा कि 17 अक्टूबर 2023 को सुप्रीम कोर्ट ने सेम सेक्स मैरिज को कानूनी मान्यता देने से इंकार कर दिया था। मद्रास हाईकोर्ट ने साफ किया है कि साथ रहने के लिए विवाह जरूरी नहीं है। वैसे तो सैकड़ों समलैंगिक कपल्स इस तरह साथ-साथ रूम पार्टनर की तरह रह रहे हैं। दिक्कत तभी आती है जब इनमें से एक या दोनों के पैरेन्ट्स इसके खिलाफ हों। तब न्यायालय को बालिग के अधिकारों की रक्षा के लिए हस्तक्षेप करना पड़ता है।

संपादकीय

हरित भारत के प्रति समर्पित रेलवे, आर्थिक विकास और पर्यावरण के प्रति प्रतिबद्धता

“भारत यह साबित कर रहा है कि आर्थिक विकास और पर्यावरण को लेकर प्रतिबद्धता की जिम्मेदारी एक साथ निभाई जा सकती है और ऐसा होना भी चाहिए। विश्व बैंक के लाजिस्टिक्स परफारमेंस इंडेक्स 2023 के अनुसार भारत अब 139 देशों में 38वें स्थान पर है जो 2014 की तुलना में 16 स्थान ऊपर है।

हर बार आप जब परिवहन के अन्य साधनों के बजाय रेलगाड़ी से यात्रा करने का चुनाव करते हैं, तो केवल आराम या सुविधा ही नहीं चुन रहे होते। आप एक स्वच्छ एवं हरित भारत को भी चुन रहे होते हैं। पिछले वर्ष 700 करोड़ से अधिक लोगों ने यात्रा के साधन के रूप में भारतीय रेल को चुना। रेल हमारी जीवन रेखा है और भविष्य के लिए एक हरित वादा भी।

विश्व पर्यावरण दिवस पर भारतीय रेलवे सतत विकास के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराता है। रेलवे देश को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा दिए गए पंचामृत लक्ष्यों-2070 तक शून्य उत्सर्जन को साकार करने में सहायता कर रहा है और एक बहुआयामी दृष्टिकोण के माध्यम से इसे संभव बना रहा है। यातायात को सड़क से रेल की ओर स्थानांतरित करके और स्वच्छ एवं हरित ऊर्जा स्रोतों के साथ परिचालन को शक्ति प्रदान करके इस दिशा में बढ़ रहा है। ये कदम देश को बड़े पैमाने पर अर्थव्यवस्था को विकार्बनित (डीकार्बोनाइज) करने में सहायता प्रदान कर रहे हैं।

यात्रा सेवाओं के साथ ही माल ढुलाई में भी रेलवे की महत्ता समय के साथ बढ़ती जा रही है। 2013-14 में भारतीय रेल ने लगभग 105.5 करोड़ टन माल की ढुलाई की। 2024-25 के दौरान यह ढुलाई बढ़कर 161.7 करोड़ टन हो गई है। इससे भारतीय रेलवे दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा माल ढोने वाला रेलवे बन गया है। विशेषज्ञों द्वारा की गई गणनाओं का उपयोग करते हुए सड़क के बजाय रेल के जरिये माल ढुलाई से संबंधित इस बदलाव ने 14.3 करोड़ टन से अधिक कार्बन डाईआक्साइड के उत्सर्जन को रोकने में मदद की है।

यह 121 करोड़ पेड़ लगाने जैसा है। रेल द्वारा माल परिवहन की लागत सड़क मार्ग से होने वाले परिवहन की लागत की लगभग आधी है। इसका अर्थ है कि न केवल व्यवसायों, बल्कि पूरी अर्थव्यवस्था के लिए बड़ी बचत। इस बदलाव से पिछले दशक में लाजिस्टिक्स की लागत में 3.2 लाख करोड़ रुपये की बचत हुई है। भारतीय रेल स्वच्छ भी है और ट्रकों की तुलना में इससे 90 प्रतिशत कम कार्बन डाईआक्साइड का उत्सर्जन होता है। परिणामस्वरूप हमारे आसमान में कम धुआं निकलता है और हमें स्वच्छ हवा मिलती है। सड़क से रेल की ओर होने वाले इस बदलाव ने हमें 2,857 करोड़ लीटर डीजल की बचत कराई है, जो ईंधन लागत में लगभग दो लाख करोड़ रुपये की बचत के बराबर है।

चूंकि भारत तेल आयात करता है, इसलिए परिवहन क्षेत्र का विद्युतीकरण करना रणनीतिक रूप से एक समझदारी भरा कदम है, ताकि आयात पर निर्भरता कम हो। 2014 से पहले के 60 वर्षों में भारतीय रेल ने 21,000 किलोमीटर रेल मार्ग का विद्युतीकरण किया। जबकि पिछले 11 वर्षों के दौरान हमने 47,000 किमी रेल मार्ग का विद्युतीकरण किया है। आज हमारे ब्राड गेज नेटवर्क का 99 प्रतिशत हिस्सा विद्युतीकृत है। भारतीय रेल स्टेशनों, कारखानों और कार्यशालाओं के लिए हरित ऊर्जा का उपयोग तेजी से कर रहा है।

अब यह रेलगाड़ियों के परिचालन के लिए अधिक हरित ऊर्जा प्राप्त करने हेतु राज्यों के साथ मिलकर काम कर रहा है। यह सब भारत को शुद्ध शून्य उत्सर्जन के अपने लक्ष्य को हासिल करने में सहायता देगा। इस गति को आगे बढ़ाते हुए डेडिकेटेड फ्रेट कारिडोर (डीएफसी) को विद्युतीकृत किया गया है। उच्च क्षमता वाली रेलवे लाइनें भी हैं, जिन्हें विशेष रूप से माल परिवहन के लिए डिजाइन किया गया है।

कुल 2,741 किमी परिचालन के साथ डीएफसी ने सड़कों पर भीड़भाड़ कम की है और डीजल की खपत एवं कार्बन उत्सर्जन को भी घटाया है। भारत हाइड्रोजन संचालित ट्रेन जैसी आधुनिक, शून्य-उत्सर्जन तकनीक भी अपना रहा है। पहली ट्रेन हरियाणा के जींद और सोनीपत के बीच चलेगी और 2,600 यात्रियों को ले जाएगी। यह दुनिया की सबसे शक्तिशाली और सबसे लंबी हाइड्रोजन ट्रेन होगी।

भारत यह साबित कर रहा है कि आर्थिक विकास और पर्यावरण को लेकर प्रतिबद्धता की जिम्मेदारी एक साथ निभाई जा सकती है और ऐसा होना भी चाहिए। विश्व बैंक के लाजिस्टिक्स परफारमेंस इंडेक्स 2023 के अनुसार भारत अब 139 देशों में 38वें स्थान पर है, जो 2014 की तुलना में 16 स्थान ऊपर है।रेलवे विद्युतीकरण के विस्तार ने लागत और उत्सर्जन को कम किया है। इसने गति और क्षमता भी बढ़ाई है, जिससे भारत को विश्वस्तरीय लाजिस्टिक्स मानकों के निकट पहुंचने में मदद मिली है। प्रधानमंत्री मोदी ने भारतीय रेलवे के लिए शुद्ध शून्य उत्सर्जन हासिल करने के लिए 2030 का लक्ष्य तय किया है।

तेजी से हो रहे विद्युतीकरण और बड़े पैमाने पर माल को सड़क से रेल की ओर स्थानांतरित करने के कारण भारतीय रेलवे 2025 तक ही नेट जीरो (स्कोप 1) हासिल करने की ओर अग्रसर है। चूंकि भारतीय रेलवे सतत विकास के साथ पर्यावरण का भी ध्यान रख रहा है, इसलिए हर विद्युतीकृत ट्रैक, हर सौर पैनल और सड़क से हटा प्रत्येक मालवाहक कंटेनर हमारे लोगों और हमारी धरती के उज्जवल भविष्य के प्रति एक शपथ है।

हरित भविष्य को सशक्त बनाना मोदी सरकार अक्षय ऊर्जा क्षेत्र को कैसे बदल दिया

प्रहलाद जोशी

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व में, भारत ने न केवल अक्षय ऊर्जा क्षेत्र में महत्वाकांक्षी लक्ष्य निर्धारित किए हैं, बल्कि हमने दृढ़ संकल्प, नवाचार और बेजोड़ प्रदर्शन के साथ उन्हें हासिल भी किया है। सौर ऊर्जा में तीसरे, पवन ऊर्जा में चौथे और कुल नवीकरणीय ऊर्जा क्षमता में चौथे स्थान के साथ, आज भारत स्वच्छ ऊर्जा के क्षेत्र में दुनिया के अग्रणी देशों में से एक है। 232 गीगावाट से अधिक स्थापित और 176 गीगावाट निर्माणाधीन नवीकरणीय क्षमता होने के साथ, हम न केवल अपनी ऊर्जा से जुड़ी आवश्यकताओं को पूरा कर रहे हैं, बल्कि ऊर्जा में बदलाव से जुड़ी वैश्विक चर्चा को सक्रिय रूप से आकार दे रहे हैं। यह प्रगति संयोग नहीं है, बल्कि यह पिछले 11 वर्षों में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में लगातार किए गए साहसिक सुधारों, समयबद्ध फैसलों और स्पष्ट दीर्घकालिक दृष्टिकोण का परिणाम है।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के पास एक मजबूत नवीकरणीय ऊर्जा इकोसिस्टम बनाने का एक स्पष्ट दृष्टिकोण था। गुजरात के मुख्यमंत्री के रूप में, उन्होंने स्वच्छ ऊर्जा को वैश्विक प्राथमिकता बनने से बहुत पहले बड़े पैमाने पर सौर परियोजनाओं का बीड़ा उठाया था। 2014 में पदभार संभालने के बाद, उन्होंने उस विजन को राष्ट्रीय स्तर पर बढ़ाया। नतीजतन, आज भारत सौर, पवन और स्वच्छ ऊर्जा से जुड़े नवाचार में एक वैश्विक लीडर के रूप में खड़ा है।

पिछले वर्ष में ही, हमने राष्ट्रीय ग्रिड में रिकॉर्ड 29 गीगावाट नवीकरणीय ऊर्जा जोड़ी। सौर ऊर्जा क्षमता 2014 के सिर्फ 2.63 गीगावाट से बढ़कर 2025 में 108 गीगावाट से अधिक हो गई है, जो 41 गुना की आश्चर्यजनक वृद्धि है। पवन ऊर्जा क्षमता भी 51 गीगावाट को पार कर गई है। देश भर में फैली इन परियोजनाओं को अब एकीकृत पारेषण प्रणाली के माध्यम से एक साथ जोड़ा जा रहा है, जिससे एक राष्ट्र एक ग्रिड (वन नेशन वन ग्रिड) का सपना साकार होगा, जहां प्रत्येक भारतीय, चाहे वह किसी भी भौगोलिक क्षेत्र में रहता हो, विश्वसनीय बिजली प्राप्त कर सकेगा।

लेकिन इस बदलाव के स्तर को समझने के लिए हमें यह याद रखना होगा कि हमने शुरुआत कहां से की थी। वर्ष 2014 में भारत का बिजली क्षेत्र गहरे संकट से जूझ रहा था। बिजली की कमी लगातार बनी हुई थी। 2012 में डबल ग्रिड फेलियर हुआ, जिसने सबसे पहले उत्तरी क्षेत्र को 36,000 मेगावाट लोड की हानि के साथ प्रभावित किया और बाद में उत्तरी, पूर्वी एवं उत्तर-पूर्वी ग्रिडों के ध्वस्त होने का कारण बना, जिससे 48,000 मेगावाट का असर पड़ा। ये घटनाएं आज भी हमारी यादों में ताजा है। पारेषण इंफ्रास्ट्रक्चर पर अत्यधिक बोझ था और निवेशकों का भरोसा कम था। नवीकरणीय ऊर्जा को महंगा और अविश्वसनीय माना जाता था। वैश्विक समुदाय ने भारत को एक गंभीर स्वच्छ ऊर्जा खिलाड़ी के रूप में नहीं देखा। वहीं, देश के भीतर, जनता की अपेक्षाएं मामूली थीं। नीतिगत अनिर्णायकता की स्थिति के चलते भी भारत को नाजुक पांच अर्थव्यवस्थाओं में से एक के रूप में गिना जाता था।

वह परिदृश्य निर्णायक रूप से बदल गया है। भारत ऊर्जा की कमी से ऊर्जा आत्मनिर्भरता की ओर बढ़ गया है। पिछड़ने की स्थिति से उबरते हुए, अब हम मिसाल के रूप में नेतृत्व कर रहे हैं।

यहां, मैं मोदी सरकार के तहत पिछले 11 वर्षों में नवीकरणीय ऊर्जा क्षेत्र में किए गए 11 परिवर्तनकारी सुधारों पर प्रकाश डालता हूं, जिनमें से प्रत्येक आत्मनिर्भरता, समावेशी विकास और स्थिरता के प्रति हमारी प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

सबसे पहले, फीड-इन टैरिफ से पारदर्शी, बाजार-संचालित बोली प्रक्रिया में बदलाव ने एक महत्वपूर्ण क्षण को चिह्नित किया। प्रतिस्पर्धी बोली और टैरिफ युक्तिकरण के कारण सौर टैरिफ 2010 में10.95 प्रति यूनिट से गिरकर 2021 तक आश्चर्यजनक रूप से 1.99 प्रति यूनिट रह गया, जिसने भारत को सौर ऊर्जा में मूल्य के मामले में वैश्विक लीडर के रूप में स्थापित किया। इस सुधारों ने निवेशकों का विश्वास बढ़ाया और जीवाश्म ईंधन के साथ मूल्य के मामले में समानता स्थापित की है।

दूसरा, अंतर-राज्यीय पारेषण प्रणाली (आईएसटीएस) शुल्कों की छूट एक और प्रमुख कदम रहा है। इन शुल्कों को हटाकर, सरकार ने परियोजना डेवलपर्स के लिए प्रमुख बाधाओं में से एक को समाप्त कर दिया। अपतटीय पवन के लिए 2032 तक और हरित हाइड्रोजन के लिए 2030 तक विस्तारित, इस नीति ने भौगोलिक सीमाओं से नवीनीकरणीय ऊर्जा परिनियोजन को प्रभावी रूप से मुक्त कर दिया और पूरे भारत में ऊर्जा प्रवाह को प्रोत्साहित किया।

तीसरा, आयात पर निर्भरता कम करने और रोजगार सृजन के लिए सरकार ने 24,000 करोड़ रुपये के प्रोत्साहन के साथ सौर विनिर्माण के लिए उत्पादन से जुड़ी प्रोत्साहन (पीएलआई) योजना शुरू की। इससे घरेलू विनिर्माण में उछाल आया है, जो 2014 की 2.3 गीगावाट से बढ़कर मॉड्यूल में 88 गीगावाट और 2025 तक सेल क्षमता में 0 से 25 गीगावाट हो गया है। भारत अब केवल सौर ऊर्जा का उपयोग ही नहीं कर रहा है, बल्कि इसे बना भी रहा है। इससे आपूर्ति श्रृंखला मजबूत होती है और ऊर्जा सुरक्षा बढ़ती है।

चौथा, आत्मनिर्भरता को बढ़ावा देने और घरेलू विनिर्माण को प्रोत्साहन देने के लिए, सरकार ने मॉडल और विनिर्माताओं की स्वीकृत सूची (एएलएमएम), घटकों और विनिर्माताओं की स्वीकृत सूची (एएलसीएम) के साथ-साथ घरेलू सामग्री आवश्यकताओं (डीसीआर) को लागू किया, जिससे गुणवत्ता आश्वासन, आपूर्ति श्रृंखला की संपूर्णता सुनिश्चित हुई और आयातित सौर घटकों पर निर्भरता कम हुई।

शिक्षकों की कमी से जूझते शिक्षा संस्थान शिक्षकों की कमी को जल्द दूर करना चाहिए

वैश्विक जनसंख्या में भारत की हिस्सेदारी 17 प्रतिशत है। इसके बावजूद उच्च शिक्षा के लिए आने वाले विदेशी छात्रों में भारत की हिस्सेदारी महज एक प्रतिशत है। शिक्षा बजट को मजबूती देने के लिए भारत सरकार ने 2004 में दो प्रतिशत शिक्षा उपकर लागू किया था। 2019 से इस शिक्षा उपकर को चार प्रतिशत शिक्षा एवं स्वास्थ्य उपकर से बदल दिया गया।

जब हम विश्वगुरु बनने की बात करते हैं, तब शिक्षा संस्थानों की भूमिका की भी चर्चा करते हैं, लेकिन इस समय हमारे दस केंद्रीय विश्वविद्यालय नियमित कुलपतियों की प्रतीक्षा कर रहे हैं। इसमें बीएचयू में छह माह और इग्नू में एक वर्ष से कुलपति के पद खाली हैं। पिछले महीने लगभग एक वर्ष के पश्चात शिक्षा मंत्रालय ने चार केंद्रीय विश्वविद्यालयों- बीबीएयू लखनऊ, ईएफएलयू हैदराबाद, पांडिचेरी और वर्धा हिंदी विश्वविद्यालय में कुलपति नियुक्त किए। विश्वभारती विश्वविद्यालय में कुलपति की नियुक्ति दो साल बाद की गई। राज्य विश्वविद्यालयों में कुलपति के लगभग 30 प्रतिशत पद खाली हैं। नियुक्तियों में देरी से शैक्षणिक और प्रशासनिक, दोनों कार्य बाधित होते हैं।

महत्वपूर्ण पदों को अनिश्चितकाल तक रिक्त छोड़ना इन संस्थानों के विकास के लिए हानिकारक है। पहले से ही पुस्तकालयों एवं प्रयोगशालाओं जैसी सुविधाओं के अभाव से जूझते विश्वविद्यालयों की एक बड़ी समस्या शिक्षकों की कमी भी बन चुकी है। संसद के पिछले सत्र में शिक्षा राज्य मंत्री सुकांत मजूमदार ने बताया था कि 31 जनवरी, 2025 तक विश्वविद्यालयों में 5,410 से अधिक शिक्षकों के पद रिक्त हैं। नीति आयोग की हालिया रिपोर्ट बताती है कि राज्य विश्वविद्यालयों में 40 प्रतिशत से अधिक अध्यापकों के पद खाली हैं। देश भर में ज्ञान के नए-नए केंद्र तो खुल रहे हैं, पर उनमें अध्यापकों की कमी है। शिक्षकों की कमी के चलते शैक्षणिक सत्र समय पर पूरे नहीं हो पा रहे हैं।

शिक्षकों के रिक्त पद भरने के मामले में यह नहीं कहा जा सकता कि योग्य शिक्षक नहीं हैं। तदर्थ नियुक्त अध्यापकों की संख्या प्राथमिक स्तर से लेकर विश्वविद्यालय तक निरंतर बढ़ती जा रही है। तदर्थ नियुक्तियों का दुष्प्रभाव केवल तात्कालिक नहीं होता। एक अध्यापक की नियुक्ति पीढ़ियों पर प्रभाव डालती है। ज्ञान केंद्रों को ऐसे तदर्थ शिक्षकों के हाथों में छोड़ देना कहां तक उचित है, जिन्हें अपने कल की चिंता अधिक हो ज्यादातर जगहों पर इन्हें स्थायी अध्यापक की तुलना में सीमित या नगण्य सुविधाएं दी जाती हैं।

मई 2024 तक उच्च शिक्षा में भारत का सकल नामांकन अनुपात 28.4 प्रतिशत था, जिसमें लगभग 1,200 संस्थानों में 4.3 करोड़ से अधिक छात्र नामांकित थे। यह आंकड़ा मौजूदा वैश्विक औसत 36.7 प्रतिशत से काफी नीचे है। भारत का कोई भी शिक्षण संस्थान विश्व के चोटी के 200 संस्थानों में भी शामिल नहीं है। विदेश में बेहतर अवसरों की तलाश में बड़ी संख्या में छात्र देश छोड़ रहे हैं। शिक्षा मंत्रालय के अनुसार, पिछले साल लगभग नौ लाख छात्र उच्च शिक्षा के लिए विदेश गए थे। इन छात्रों ने विदेश में शिक्षा प्राप्त करने पर 5.1 लाख करोड़ खर्च किए। यह पैसा वित्त वर्ष 2023-24 में केंद्र सरकार द्वारा उच्च शिक्षा के लिए आवंटित वार्षिक बजट (44,090 करोड़ रुपये) से 10 गुना अधिक है।

वैश्विक जनसंख्या में भारत की हिस्सेदारी 17 प्रतिशत है। इसके बावजूद उच्च शिक्षा के लिए आने वाले विदेशी छात्रों में भारत की हिस्सेदारी महज एक प्रतिशत है। शिक्षा बजट को मजबूती देने के लिए भारत सरकार ने 2004 में दो प्रतिशत शिक्षा उपकर लागू किया था। 2019 से इस शिक्षा उपकर को चार प्रतिशत शिक्षा एवं स्वास्थ्य उपकर से बदल दिया गया। सरकार के लिए यह उपकर राजस्व का एक स्थायी स्रोत नहीं है, फिर भी 2015 के बाद से इसने कुल शिक्षा व्यय का 70 प्रतिशत वित्त पोषित किया है।

इसका मतलब है कि उपकर शिक्षा व्यय का एक नियमित तरीका बन गया है। हमारे राज्य विश्वविद्यालय निरंतर कम होते वित्त पोषण से प्रभावित हैं, जिसके परिणामस्वरूप बुनियादी ढांचे और शैक्षणिक मानकों में गिरावट आ रही है। उनका फंडिंग माडल छात्र-शुल्क पर अत्यधिक निर्भर करता है। इसके कारण कई छात्रों से गुणवत्तापूर्ण शिक्षा लगातार दूर होती जा रही है। शिक्षा जगत की समस्याओं का समाधान प्राथमिकता के आधार पर किया जाना चाहिए, क्योंकि शिक्षा देश के आर्थिक विकास की आधारशिला होती है।

इसके लिए उद्यमिता शिक्षा पर जोर देना होगा और छात्रों को इतना सक्षम बनाना होगा कि जब वे स्कूलों/कालेजों से बाहर निकलें तो देश को आगे ले जा सकें। प्रो.यशपाल समिति द्वारा 2009 में की गई सिफारिशें भी प्रासंगिक हैं, जिसमें उन्होंने उच्च शिक्षा के लिए अधिक धनराशि आवंटित करने और निजी निकायों पर कड़ा विनियमन और निगरानी रखने की सिफारिश की थी।

अगले माह नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति को लागू हुए पांच वर्ष पूरे हो जाएंगे। अतिरिक्त धन आवंटन के बिना पूरे देश में राष्ट्रीय शिक्षा नीति की सिफारिशों को लागू करना कठिन है। डिजिटल इंडिया, मेक इन इंडिया और स्किल इंडिया जैसे महत्वाकांक्षी कार्यक्रम तभी सफल होंगे, जब विभिन्न 'रेवड़ी स्कीम' का पैसा शिक्षा एवं अनुसंधान क्षेत्र में लगाया जाए। विकसित भारत के लिए शिक्षा की गुणवत्ता का आधार मजबूत होना आवश्यक है। भारतीय शिक्षा को समकालीन दुनिया के अनुरूप ढालने के साथ शिक्षण संस्थानों में शिक्षकों की कमी को जल्द दूर करना चाहिए।

भारी बारिश और भूस्खलन से जुझते पूर्वोत्तर

सिक्किम के छातेन के सैन्य शिविर के भूस्खलन की चपेट में आने से तीन सैनिकों की मौत हो गई और छह सुरक्षाकर्मी लापता हैं। मंगन जिले के लाचेन नगर में लगातार हो रही भारी बारिश के चलते यह भूस्खलन हुआ।

आधिकारिक बयानों के अनुसार तीनों के शव बरामद लिये गए हैं, जबकि मामूली रूप से चुटहिलों का इलाज जारी है। उधर मणिपुर में नदियों के उफान पर होने व तटबंधों के टूटने से उन्नीस हजार से ज्यादा लोग प्रभावित हैं। चार दिनों से हो रही मूसलाधार बारिश के कारण आई बाढ़ से तीन हजार से अधिक घर क्षतिग्रस्त हो गए व बाइस लोगों के लापता होने की खबरें हैं। सात हजार प्रभावित लोगों को राहत शिविरों में पहुंचाया गया है। बरसात ने बीते 132 सालों का रिकॉर्ड तोड़ा है, जिसके कारण बाढ़, जल-भराव, घर ढहने/ बहने और भुस्खलन के कारण हालात बहुत बिगड़ चुके हैं। ब्रह्मपुत्र व बराक समेत दस से ज्यादा नदियां उफान पर हैं। सिक्किम, असम, मणिपुर, मिजोरम, त्रिपुरा, अरुणाचल प्रदेश समेत पूर्वोत्तर बाढ में प्रतिवर्ष की तरह डूब रहा है। सिक्किम के लाचेन व लाचुंग में फंसे हजार से ज्यादा पर्यटकों को सेना व प्रशासन ने हेलीकॉप्टर व बाहनों की मदद से सुरक्षित गंगटोक पहुंचाया। मौसम विभाग ने चेतावनी जारी की है, अगले कुछ दिनों तक वहां भारी बारसात हो सकती है। स्कूल-कॉलेज बंद हैं और लोगों को सुरक्षित स्थानों पर जाने की हिदायत दी जा रही है।

पूर्वोत्तर के अधिकतर राज्य पर्यावरण व जलवायु के नजरिए से संवेदनशील स्थानों में आते हैं। जहां के रहवासियों को भारी बरसात के चलते घरों के ढहने, सड़के बह जाने व भुस्खलन से जूझना पड़ता है, जिससे जान-माल का भारी नुकसान होता है। देश का 73त क्षेत्र बाढ़ग्रस्त इलाके में आने के बावजूद सरकारी लापरवाही का नतीजा है कि हम आजतक सुरक्षित नहीं हैं। निचले पायदान पर खड़ी जनता की बुनियादी जरूरियात को पूरा करने में कमर टूट जाती है। बुनियादी ढांचा और सुरक्षित जीवन की गारंटी देने में सरकारें बुरी तरह असफल साबित हैं।

रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु ने पहली बार आईपीएल खिताब जीता

मनोज चतुर्वेदी

रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु ने पहली बार आईपीएल खिताब जीता जरूर पर इसे विराट कोहली के सपने के साकार होने के तौर पर ही लिया गया। इस कारण फाइनल मैच का परिणाम आने पर अहमदाबाद के नरेन्द्र मोदी स्टेडियम पर बने माहौल ने 2011 में वानखेड़े स्टेडियम में आईसीसी वनडे विश्व कप जीतने पर बने माहौल की यादें ताजा कर दीं। उस वक्त सारी टीम सचिन तेंदुलकर के विश्व कप जीतने के सपने के साकार होने पर उन्हें कंधे पर उठा कर घुमा रही थी। वजह यह थी कि विराट 2008 से इस टीम को खिताब जिताने के लिए प्रयास करते रहे थे पर खिताब से दूरी खत्म होकर नहीं दे रही थी।

इस खिताब का विराट को किस बेसब्री से इंतजार था, इसे उनकी भावनाओं से समझा जा सकता है। जॉश हेजलवुड के आखिरी ओवर की पहली दो गेंदों पर छक्का लगते ही आरसीबी का खिताब जीतना पक्का हो गया था। खिताब तय होते ही विराट की आंखें खुशी से नम हो गई और खेल खत्म होते ही वह मैदान पर सिर झुका कर अपनी भावनाएं बयां करते रहे। जिस

काम को अनिल कुंबले, डेनियल विटोरी और खुद विराट कप्तान रहते नहीं कर पाए थे, उसे रजत पाटीदार ने कर दिखाया।

इस तरह अब मुंबई इंडियंस, चेन्नई सुपर किंग्स, कोलकाता नाइट राइडर्स, डेक्कन चार्जर्स, राजस्थान रॉयल्स, सनराइजर्स हैदराबाद और गुजरात टाइटंस के साथ आरसीबी का भी नाम आईपीएल खिताब जीतने वाली टीमों में शामिल हो गया है। आरसीबी का यह फाइनल खेलने का चौथा मौका था जिसमें से 2009 और 2016 में तो वह बहुत ही मामूली अंतर से पिछड़ कर खिताब जीतने से रह गई थी। 2009 के फाइनल में उसे छह रनों से और 2016 में आठ रनों से हार का सामना करना पड़ा था। हां, वह 2011 के फाइनल में जरूर बुरी तरह से हार गई थी। पर इन सबकी कमी उसने पंजाब किंग्स को छह रनों से हरा कर पूरी कर दी।

आरसीबी का खिताबी सपना तो पूरा हो गया पर पंजाब किंग्स का सपना अधूरा बना हुआ है। अय्यर जिस तरह से कोच रिकी पोंटिंग के साथ मिल कर टीम को तस्वीर बदलने में सफल हुए हैं और उन्होंने दूसरे क्वालिफायर में जिस तरह से मुंबई इंडियंस की चुनौती तोड़ी, उससे वह भी खिताबी मजबूत दावेदार मानी जा रही थी पर शायद किस्मत में चैंपियन बनना लिखा नहीं था। इस आईपीएल खिताब का आरसीबी और विराट को इंतजार था, उसी तरह लग रहा था कि नरेन्द्र मोदी स्टेडियम में मौजूद दर्शक भी चाहते थे कि विराट की पिछले 17 सालों से चली आ रही दूरी खत्म हो। पूरा स्टेडियम आरसीबी की जर्सी पहने पटा पड़ा था।

आरसीबी के पक्ष में चौका या छक्का लगने या फिर विकेट मिलने पर स्टेडियम शोर से गूंज उठता था। आरसीबी टीम ने विराट और उनके चहेते दर्शकों को निराश नहीं किया। खिताब जीतने पर भावनाओं से भरे विराट ने कहा, 'यह जीत जितनी टीम के लिए है, उतनी ही प्रशंसकों के लिए भी है। यह पूरे 18 सालों का इंतजार था। मैंने इस टीम को अपना युवा समय, अपना सर्वश्रेष्ठ दौर और अपना अनुभव सब कुछ दिया। हर सीजन इसे जीतने की कोशिश की और अपनी सारी ताकत लगा दी। अब जाकर इसे हासिल करना अविसनीय अहसास है। कभी नहीं सोचा था कि यह दिन आएगा। मैं आखिरी गेंद के बाद भावनाओं में बह गया। अपनी सारी ऊर्जा झोंक दी और अब जो महसूस हो रहा, वो बयां करना मुश्किल है। वाकई कमाल का अहसास है।'

आरसीबी के विजेता बनने पर एक और तस्वीर देखने को मिली। आरसीबी की सफलताओं में अहम भूमिका निभाने वाले एबी डिविलियर्स टीम के विजेता बनते ही मैदान में दौड़कर आए और विराट को गले लगा लिए। क्रिस गेल भी वहां पहुंच कर विराट को गले लगाकर बधाई देते नजर आए। इसमें कोई दो राय नहीं कि आरसीबी के महान खिलाड़ियों की सूची में विराट का नाम सबसे ऊपर है। पर डिविलियर्स और गेल का नाम विराट के बाद होने में शायद ही किसी को शक हो।

ITR फाइल 500/-
Whatsapp पर बनवाएँ
Income Tax फाइल, GST रजिस्ट्रेशन, TDS रिफंड, प्रोजेक्ट रिपोर्ट
CMA DATA, MSME, BALANCE SHEET, फूड लाइसेंस
हमारे Tax Expert आपकी मदद हेतु तैयार है।
www.onlytds.com
सम्पर्क - शेखर गुप्ता 9300755544 - 8878655544

श्रीकंचनपथ
भिलाई-दुर्ग

प्रिंट और डीजिटल मीडिया में
सभी प्रकार के विज्ञापन
के लिए
संपर्क करें
Mob.-:
9303289950
7987166110

खास खबर

सेक्टर-4 बीएसपी सोसाइटी की आमसभा रविवार 8 जून को

भिलाई। बीएसपी एम्पलाइज को-ऑपरेटिव एंड वेलफेयर सोसाइटी लिमिटेड सेक्टर-4 की सालाना आमसभा 08 जून रविवार को सुबह 10 बजे बीकेपी क्लब स्ट्रीट 6-7 के समीप सेक्टर-4 में आयोजित है। जिसमें अध्यक्ष का स्वागत भाषण, प्रतिवेदन बैलेंस शीट (2024-25) की स्वीकृति, बजट (2025-26) को मंजूरी और वित्तीय वर्ष 2025-26 के अंकेक्षण की नियुक्ति को अनुमति देने सहित अन्य गतिविधियां होगीं। अध्यक्ष पूरनलाल देवांगन ने बताया कि आय-व्यय का विवरण संस्था कार्यालय में उपलब्ध है और सदस्यों को अपना फेटोयुक्त पासबुक एवं गेट पास लाना अनिवार्य है। उन्होंने बताया कि निर्धारित 50 वर्ष की आयु तक वाले बीएसपी व एनएसपीसीएल कर्मियों को आमसभा स्थल पर ही ऑन द स्पॉट सदस्यता भी दी जाएगी।

श्री स्वामी समर्थ उपासना मंडल की बैठक में तिलक जयंती मनाने का निर्णय

भिलाई। श्री स्वामी समर्थ उपासना मंडल भिलाई-दुर्ग कार्यकारिणी समिति की बैठक सुपेला में रखी गई। जिसमें लोकमान्य बाल गंगाधर तिलक की जयंती 23 जुलाई को मनाने का निर्णय लिया गया। जयंती के तारतम्य में चित्र प्रदर्शनी एवं विविध प्रतियोगिताएं आयोजित की जाएगी। बैठक में इस आयोजन हेतु सदस्यों को जवाबदारी सौंपी गई। इस बैठक में अशोक चेंडके, प्रदीप गाडगे, संजय खानखोजे, हर्षवर्धन वझे, प्रशांत देशपांडे, अभय वडनेरकर, अंजलि वडनेरकर, नेहा खानखोज, मंदाताई कामीनकर और अनमोल वडनेरकर आदि सम्मानित सदस्य उपस्थित थे। यह जानकारी संस्था के अध्यक्ष अभय वडनेरकर ने दी।

भिलाई इस्पात संयंत्र व सशस्त्र सीमा बल ने किया वृहद वृक्षारोपण, लगाए 400 पौधे

भिलाई। विश्व पर्यावरण दिवस 2025 के अवसर पर पर्यावरण संरक्षण एवं संवर्धन के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को दोहराते हुए सेल-भिलाई इस्पात संयंत्र के नगर सेवाएं विभाग (टीएसडी) तथा सशस्त्र सीमा बल (एसएसबी) के संयुक्त तत्वावधान में सेक्टर-08 की सड़क क्रमांक 42, निरंकारी भवन के निकट 5 जून 2025 को वृहद वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर लगभग 400 मिश्रित प्रजातियों के पौधे रोपित किए गए। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में मुख्य महाप्रबंधक उत्पल दत्ता उपस्थित रहे, जबकि विशेष अतिथि के रूप में कमांडेंट कीर्तिवर्धन, द्वितीय कमान अधिकारी शंकर प्रसाद बर्नवाल उपस्थित थे। तत्वाधान में भिलाई इस्पात संयंत्र के नगर सेवाएं विभाग द्वारा आमजन से अपील की गई कि वे अधिकाधिक मात्रा में वृक्षारोपण करें और पर्यावरण संबंधी जनजागरूकता अभियानों में भागीदारी सुनिश्चित करें, जिससे प्रकृति और पर्यावरण का संरक्षण और संवर्धन प्रभावी रूप से किया जा सके।

चिनाब नदी पर बने पुल के निर्माण में प्रयुक्त हुआ है सेल और भिलाई इस्पात संयंत्र का इस्पात

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। देश के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने आज 06 जून 2025 को चिनाब नदी पर बने विष्व के सबसे ऊंचे रेलवे पुल को देश को समर्पित किया है। भिलाई इस्पात संयंत्र सहित सेल के अन्य इस्पात संयंत्रों ने इस पुल के निर्माण हेतु 16,000 टन स्टील की आपूर्ति की है, जिसके अंतर्गत प्लेट्स, टीएमटी बार और स्ट्रक्चरल्स शामिल हैं। यह उपलब्धि सेल और भिलाई बिरादरी के गर्व का विषय है। किसी भी निर्माण प्रक्रिया और औद्योगिक गतिविधि के लिए स्टील सबसे महत्वपूर्ण घटकों में से एक है। जानकारी के अनुसार इस पुल के निर्माण में लगभग 29,000 मीट्रिक टन स्टील, 10 लाख क्यूबिक मीटर अर्थवर्क, 66,000 क्यूबिक मीटर से अधिक कांक्रीट तथा 84 किलोमीटर रॉक बोल्ट और केबल एंकर का प्रयोग किया गया है।

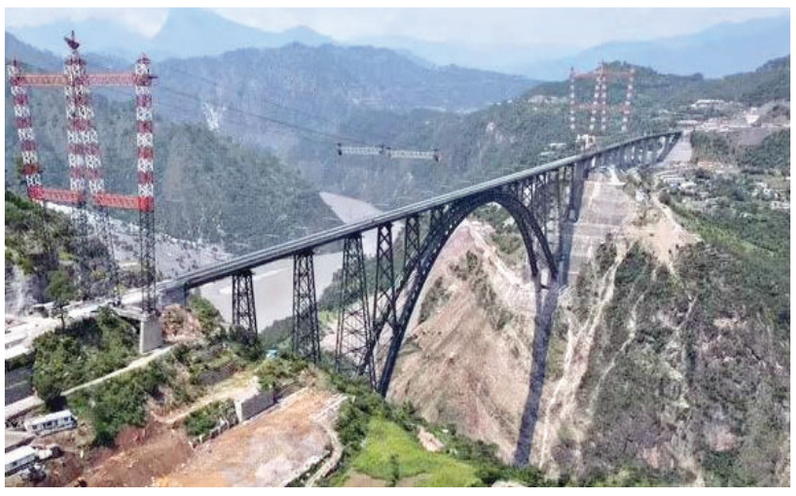

जम्मू-कश्मीर में चिनाब नदी के ऊपर बना 1.3 किलोमीटर लंबा यह पुल नदी तल से 359 मीटर की ऊंचाई पर है और पेरिस के प्रतिष्ठित एफिल टॉवर से 35 मीटर ऊंचा है। अभियांत्रिकी की अभिनव कृति यह पुल 266 किमी प्रति घंटे हवा की तेज रफ्तार और उच्चतम तीव्रता के भूकंपीय तरंगों का सामना करने में सक्षम है। उधमपुर-श्रीनगर-बारामुल्ला रेल लिंक परियोजना (यूएसबीआरएल) के अंतर्गत यह पुल जो कटरा से बनिहाल तक 111 किलोमीटर लंबे घुमावदार खंड का हिस्सा है, इस क्षेत्र में आवागमन को सुलभ करेगा।

सेल के इस्पात संयंत्रों ने जम्मू-कश्मीर में निर्मित दुनिया के सबसे ऊंचे रेलवे पुल में उपयोग हेतु 6690 टन टीएमटी उत्पाद, 1793 टन स्ट्रक्चरल स्टील और 7511 टन स्टील प्लेट्स, हॉट स्ट्रिप मिल प्रोडक्ट और चेकर्ड प्लेटों सहित कुल 16,000 टन इस्पात की आपूर्ति की है। पुल के निर्माण हेतु सेल द्वारा आपूर्ति की गई इस्पात में से, भिलाई इस्पात संयंत्र ने 5922 टन टीएमटी स्टील, 6454 टन प्लेट्स और 56 टन स्ट्रक्चरल स्टील सहित कुल 12,432 टन इस्पात की आपूर्ति की है। सेल के बर्नपुर स्थित इस्को स्टील प्लांट, दुर्गापुर स्टील प्लांट, राउरकेला स्टील प्लांट और बोकारो स्टील लिमिटेड ने भी स्टील की आपूर्ति की है।

यह पुल उक्त क्षेत्र में तेज और कुशलतम परिवहन की सुविधा प्रदान करेगा तथा सभी मौसम में उपयोग किया जा सकेगा। चेनाब रेल पुल वस्तुतः देश के लिए महत्वपूर्ण परियोजना है। स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड (सेल) ने राष्ट्रीय महत्व की कई ऐसी महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचा परियोजनाओं जैसे बांधों, पुलों, सुरंगों, फ्लाईओवरों और एक्सप्रेसवे सहित ऊर्जा क्षेत्र व रक्षा क्षेत्र में प्रयोग हेतु वांछित ग्रेड के इस्पात की आपूर्ति की है।

सेल-बीएसपी में उत्पादित इस्पात का उपयोग ऊर्जा और बिजली क्षेत्र के साथ ही कंस्ट्रक्शन और इन्फ्रास्ट्रक्चर प्रोजेक्ट्स जैसे पुलों, राजमार्गों, सुरंगों, फ्लाईओवर सहित भूकंपीय और संक्षारण संभावित क्षेत्रों में ऊंची इमारतों और औद्योगिक संरचनाओं में, भारी मशीनरी, तेल और गैस क्षेत्र, अंतरिक्ष क्षेत्र, परमाणु ऊर्जा प्रतिष्ठानों आदि में किया जाता है। भारतीय रेलवे के लिए वांछित ग्रेड के रेल्स उत्पादन के अलावा सेल-बीएसपी चैड़ी, मोटी और हेवी प्लेटों की विविध श्रृंखला का उत्पादन तथा विभिन्न अनुप्रयोगों हेतु वैल्यू एडेड स्पेशल स्टील ग्रेड की रोलिंग करता है। संयंत्र द्वारा उत्पादित टीएमटी उत्पादों की पूरी श्रृंखला भूकंपरोधी और जंगरोधी गुणों के साथ उच्च गुणवत्ता की है। इसके अतिरिक्त संयंत्र चैनल्स, एंगल्स और बीम्स सहित स्ट्रक्चरल ग्रेड स्टील का भी उत्पादन करता है।

उल्लेखनीय है कि भिलाई द्वारा उत्पादित स्टील का उपयोग बांद्रा-वर्ली सी-लिंक के साथ ही मुंबई में अटल सेतु, अरुणाचल प्रदेश में सेला सुरंग, हिमाचल प्रदेश में अटल सुरंग और राष्ट्रीय महत्व की कई अन्य इन्फ्रास्ट्रक्चर प्रोजेक्ट्स के निर्माण में किया गया है। सेल-भिलाई द्वारा उत्पादित स्टील का उपयोग युद्धपोतों और आईएनएस विक्रांत के निर्माण में भी किया गया है। बुलेट ट्रेन परियोजना हेतु सेल-बीएसपी द्वारा बड़ी मात्रा में टीएमटी बार्स की आपूर्ति की गई है। सेल-भिलाई इस्पात संयंत्र ने देश की राजधानी में निर्मित सेंट्रल विस्टा परियोजना में उपयोग हेतु भी टीएमटी उत्पादों की आपूर्ति की है।

आईआईटी भिलाई और आईएमटी नॉर्ड यूरोप के बीच अंतरराष्ट्रीय सहयोग को मजबूती देने एमओयू

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान भिलाई (आईआईटी भिलाई) ने फ्रांस के इंस्टीट्यूट माइन टेलेकॉम नॉर्ड यूरोप के साथ एक महत्वपूर्ण समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं। यह समझौता भारत और फ्रांस के बीच शिक्षा और अनुसंधान के क्षेत्र में अंतरराष्ट्रीय साझेदारी को प्रोत्साहित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। आईआईटी भिलाई की ओर से संस्थान के निदेशक प्रो. राजीव प्रकाश ने इस समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए। इस समझौते को सफलतापूर्वक संपन्न कराने में आईआईटी भिलाई के अंतरराष्ट्रीय मामलों के कार्यालय ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। इस रणनीतिक साझेदारी का उद्देश्य दोनों संस्थानों के बीच आपसी हित के क्षेत्रों में संयुक्त प्रयासों को बढ़ावा देना है। यह समझौता शिक्षा, अनुसंधान और सांस्कृतिक आदान-प्रदान के माध्यम से दोनों संस्थानों के सर्वांगीण विकास की दिशा में सहकारिता को मजबूत करेगा।

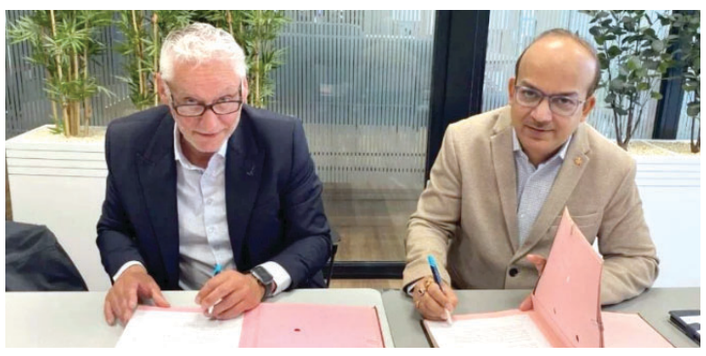

समझौते के अंतर्गत, आईआईटी भिलाई के स्नातक और स्नातकोत्तर छात्र फ्रांस में अध्ययन करने और संयुक्त डिग्री प्राप्त करने का अवसर प्राप्त कर सकेंगे, जिससे उन्हें अंतरराष्ट्रीय अनुभव और वैश्विक शैक्षणिक दृष्टिकोण मिलेगा। यह सहयोग विशेष रूप से यांत्रिक अभियांत्रिकी, पॉलिमर और कंपोजिट सामग्री, मेकाट्रॉनिक्स तथा कृत्रिम बुद्धिमत्ता से युक्त कंप्यूटर विज्ञान जैसे प्रमुख क्षेत्रों में केंद्रित रहेगा, जिनमें दोनों संस्थानों की विशेषज्ञता और नवाचार की अपार संभावनाएं हैं।

यह समझौता आईआईटी भिलाई के उस विजन के अनुरूप है, जिसमें वह एक जीवंत और समावेशी अंतरराष्ट्रीय शैक्षणिक वातावरण को बढ़ावा देने की दिशा में कार्यरत है। साथ ही, यह भारत और फ्रांस के शैक्षणिक संस्थानों के बीच बढ़ती सहयोग की भावना को भी दर्शाता है। यह साझेदारी न केवल दोनों संस्थानों के शैक्षणिक और अनुसंधान विकास को सशक्त बनाएगी, बल्कि संबंधित क्षेत्रों के सामाजिक और सांस्कृतिक विकास में भी महत्वपूर्ण योगदान देगी।

पर्यावरण सम्मत कीट नियंत्रण अपनाने लिया संकल्प

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। विश्व कीट दिवस के अवसर पर शुक्रवार को ट्विन सिटी में कीट नियंत्रण (पेस्ट कंट्रोल) क्षेत्र से जुड़े लोगों ने जनजागरुकता कार्यक्रम का आयोजन दुर्ग में किया। इस दौरान स्वास्थ्य, कृषि और पर्यावरण की दृष्टि से लोगों में कीट नियंत्रण की महत्ता के बारे में जागरूकता बढ़ाने चर्चा की गई। उल्लेखनीय है कि विश्व कीट दिवस की शुरुआत 6 जून को 2017 को चीन, अमेरिका और यूरोप के कीट नियंत्रण संगठनों द्वारा मिलकर की गई थी।

तब से हर साल यह आयोजन किया जा रहा है। दुर्ग में आयोजित कार्यक्रम में पेस्ट मैनेजमेंट एसोसिएशन पुणे, छत्तीसगढ़ रीजन हेड मजहर नदीम ने उपस्थित लोगों को ऑडियो-विजुअल माध्यम से प्रस्तुतीकरण देते हुए बताया कि मच्छर, चूहे, कॉकरोच और दीमक जैसे कीट न सिर्फहमारी फसलों को नुकसान पहुंचाते हैं, बल्कि कई बार ये खतरनाक बीमारियाँ भी फैलाते हैं।

निगम की दुकानों का सालों से नहीं पटा किराया, आयुक्त का निर्देश 15 दिन में पटाए किराया नहीं तो होगी कार्रवाई

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। नगर निगम भिलाई द्वारा आबंटित दुकानों का सालो से किराया बकाया है। साड़ा कार्यकाल के समय से आबंटित दुकानों में आज भी पुरानी दर पर ही किराया लिया जा रहा है। भिलाई निगम आयुक्त राजीव कुमार पाण्डेय राजस्व विभाग के राजस्व अधिकारी एवं संबंधित योजनाओं के कर्मचारियों को बुलाकर फाईलों का अवलोकन किया। इसके बाद ऐसे बकायादारों को 15 दिन का नोटिस जारी कर वसूली करने का निर्देश दिया है। जो भी किराया नहीं पटाता उनके खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

विशेष क्षेत्र प्राधिकरण साडा द्वारा प्रमुख स्थलों पर दुकान, चबूतरा निर्माण करके उस समय के आवश्यकता के अनुसार आबंटन प्रक्रिया का पालन करते हुए दुकानें आबंटित की गई थी। यह दुकानें आकाश गंगा व्यावसायिक परिसर, सुपेला

स्कूल के पास, चंद्रा मोर्या टाकिज के सामने सिरसा रोड, कोहका चौंक, नेहरू नगर, पावर हाउस सब्जी मंडी, उत्तर गंगोत्री, आकाशगंगा थोक सब्जी मंडी में लगभग 1000 से अधिक दुकानों एवं चबूतरो का निर्माण किया गया था। इसमें से प्रमुख रूप से आकाश गंगा प्रेस काम्पलेक्स, व्यवसायिक परिसर, नगर निगम आफिस के समीप स्थित दुकानें उनमें से वर्तमान में इंडियन बैंक भी संचालित हो रहा है। दुकान आवंटन करने का उददेश्य था कि उस समय के बेरोजगार लोगों को रोजगार प्रदान करने हेतु स्थान उपलब्ध कराना। जैसे-जैसे दुकानें निर्मित होती गई, उस समय के योजना के अनुसार दुकानें आबंटित की गई है। प्रत्येक दुकानें अच्छे जगहों पर बनाई गई है। सभी दुकानों का अनुबंध के अनुसार प्रतिमाह किराया निर्धारित किया गया था। जो उस समय के बाजार की उपलब्धता एवं पैसे के मूल्य के हिसाब से किराया तय किया गया था। ?110, ?300, ?648 जो आज के वर्तमान परिपेक्ष्य में बहुत ही कम है। साथ में यह भी अनुबंध था कि प्रत्येक दुकान के किराये में 5 वर्ष बाद 10 प्रतिशत की वृद्धि करना था। कुछ दुकानदार ऐसे भी है, जो दुकान का किराया सन 1992 से जमा नहीं कर रहे हैं। कुछ लोग पुराने दर पर ही किराये की राशि अभी तक जमा कर रहे है। जब उनके द्वारा खरीदी-ब्रिकी या लीज नवीनीकरण करवाया जाता है, तब निगम के राजस्व विभाग द्वारा पूर्व राशि का गणना करके किराया लिया जा रहा है।

आयुक्त पाण्डेय द्वारा प्रत्येक योजना की फाईल के निर्धारित नियम एवं शर्तो को पढ़ने के बाद उन्हे ज्ञात हुआ कि बरसों से दुकान का किराया लंबित है, इसका अंदेखी हो रहा था। उन्होने राजस्व अधिकारी एवं संबंधित कर्मचारियों को तुरंत निर्देशित किए कि सभी को तत्काल नोटिस जारी किया जाये। इससे निगम को बहुत क्षति हो रही है। निगम के टैक्स वसूलने वाली एजेंसी के ऊपर नाराजगी व्यक्त कर रहे थे, उसे अपना सॉफ्टवेयर अपडेट करने को आदेशित किये। अच्छे-अच्छे मार्केट क्षेत्रों में दुकान होने के बाद भी किराया नहीं जमा किया जा रहा है। कुछ ऐसे भी व्यापारी हैं जो आवंटित दुकान को किराए में चला रहे हैं। जो नियम विरुद्ध है। व्यापारियों द्वारा आबंटित दुकान में व्यापार किया जा रहा है, लेकिन किराया नहीं जमा किया जा रहा है।

छत्तीसगढ़ के लोकवाद्य में दिखेगी लोक कलाकार रिखी के 45 साल के खोजयात्रा की झलक

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। प्रख्यात लोकवाद्य संग्राहक रिखी क्षत्रिय की 4.5 दशक की मेहनत रंग लाई है। वर्षों से तत्कालीन मध्यप्रदेश और मौजूदा छत्तीसगढ़ के आदिवासी अंचल में घूम-घूम कर दुर्लभ लोकवाद्यों का संग्रह कर रहे रिखी क्षत्रिय ने इनकी पूरी जानकारी अब किताब के स्वरूप में शोधार्थियों और पाठकों के लिए उपलब्ध करा दी है। रिखी क्षत्रिय और उनकी पत्नी अन्नपूर्णा क्षत्रिय ने अपनी खोजयात्रा और शोध के उपरांत 'छत्तीसगढ़ के लोकवाद्य शीर्षक से किताब को अंतिम रूप दिया है।

इस किताब में 150 से ज्यादा दुर्लभ वाद्यों से संबंधित सारी जानकारियों का दस्तावेजीकरण किया गया है। यह किताब जल्द ही शोधार्थियों और पाठकों के लिए उपलब्ध होने जा रही है। इससे पहले 4 जून की शाम राजधानी रायपुर में विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह ने अपने कार्यालय में एक संक्षिप्त समारोह में इस

किताब का विमोचन किया। डॉ. रमन ने रिखी-अन्नपूर्णा क्षत्रिय दंपति की इस पहल की तारीफकरते हुए कहा कि इससे निश्चित रूप से छत्तीसगढ़ के दुर्लभ वाद्य और इनमें समाहित संस्कृति से देश और दुनिया रूबरू होगी। डॉ. रमन ने कहा कि अब तक रिखी क्षत्रिय के इन दुर्लभ लोकवाद्य संग्रह को देश के राष्ट्रपति-प्रधानमंत्री से लेकर राष्ट्रीय-अंतरराष्ट्रीय स्तर की कई हस्तियां देख चुकी हैं और वह स्वयं भी रिखी क्षत्रिय के इस समर्पण के प्रशंसक रहे हैं। डॉ. रमन ने उम्मीद जताई कि रिखी भविष्य में और भी दुर्लभतम लोकवाद्यों से देश और दुनिया को रूबरू कराएंगे।

लोगों के बीच लाने लिखी शोध आधारित यह किताब

रिखी क्षत्रिय का कहना है कि इन दुर्लभ लोकवाद्यों को जनसामान्य के बीच लाने के उद्देश्य से उन्होंने शोध आधारित यह किताब लिखी है। जिससे हमारे आदिवासी अंचल के इन लोकवाद्यों का पूरा इतिहास तथ्यपरक जानकारियों के साथ समाहित करने का प्रयास किया गया है। इनके साथ ही एक ही लोकवाद्य के अलग-अलग अवसर पर अलग ढ़अलग प्रकार को भी सविस्तार और फोटोग्राफ्स सहित बताया गया है। उन्होंने बताया कि शोधार्थियों और आम पाठकों के लिए यह किताब जल्द ही उपलब्ध होगी। छत्तीसगढ़ के लोकवाद्य किताब के विमोचन के अवसर पर लेखक दंपति रिखी क्षत्रिय-अन्नपूर्णा क्षत्रिय के साथ साहित्य अकादमी छत्तीसगढ़ के अध्यक्ष शशांक शर्मा, डॉ. शशिप्रिया उपाध्याय,अभिषेक उपाध्याय और लेखक दुर्गा प्रसाद पारकर सहित अन्य लोग मौजूद थे।

युवावस्था से शुरू किया था दुर्लभ लोकवाद्यों का संग्रह

रिखी क्षत्रिय ने बताया कि युवावस्था से ही उन्होंने दुर्लभ लोकवाद्यों का संग्रह शुरू कर दिया था फिर भिलाई इस्पात संयंत्र की सेवा के दौरान भी यह शौक जुनून में बदलता गया। जिसके चलते अब उनके पास 200 से ज्यादा दुर्लभ लोकवाद्य का संग्रह है। कुहूकी कला ग्राम मरोदा सेक्टर निवासी रिखी क्षत्रिय ने अपने संग्रह पर आधारित किताब की जरूरत पर कहा कि हमारी आज की पीढ़ी लोकवाद्यों के प्रति विमुख होते जा रही है, ऐसे में आने वाली पीढ़ी को हमारे प्रकृति प्रदत्त लोकवाद्यों और इनकी उत्पत्ति की जानकारी मिलना मुश्किल हो जाएगी। आज की पीढ़ी को इन लोकवाद्यों के बारे में बताना जरूरी है कि इनका निर्माण कैसे हुआ, हमारे पूर्वज इनका निर्माण, वादन किस लिए करते थे? मनोरंजन के लिए या अपनी आवश्यकता की पूर्ति के लिए, यह भी बताना जरूरी है। आदि मानव को वाद्य यंत्र निर्माण करने की प्रेरणा कहाँ से मिली?

Since 1972
CROWN® - TV
Choice Of Millions
LED Available 16 -20 -22 - 24 - 32-40-50-55-65

Maa Durga Electronics 9827183839
Rohit Electronics 94242-02866
Premier sales: 8959493000
A Leela Electronics: 9425507772
Reena Electronics: 9329132299
Shree Electronics: 7000827361
Authorised Distributers For Chhattisgarh
Trade Enquiry: 98262-52372

खास खबर...

बच्चों के प्रति क्रूरता को लेकर सख्त हुआ बाल अधिकार संरक्षण आयोग

रायपुर। छत्तीसगढ़ राज्य बाल अधिकार संरक्षण आयोग ने बालोद जिले में एक नाबालिग बालिका के साथ हुई मारपीट की घटना को गंभीरता से लेते हुए कड़ा रुख अपनाया है। आयोग की अध्यक्ष डॉ. वर्णिका शर्मा ने मामले में जुवेनाइल जस्टिस एक्ट की धारा 75 (बच्चों के प्रति क्रूरता) को पुलिस द्वारा अभियोग पत्र में शामिल न किए जाने पर नाराज़गी जताई है और इस संबंध में पुलिस अधीक्षक बालोद को 2 जून 2025 को सख्त पत्र जारी किया है।

मामला एक पारिवारिक विवाद से जुड़ा है, जिसमें एक महिला और उसकी नाबालिग पुत्री के साथ गाली-गलौज और मारपीट की गई थी। आयोग की सुनवाई में यह तथ्य सामने आया कि घटना के दौरान आरोपी ने नाबालिग बच्ची को धक्का देकर गिरा दिया, जिससे उसके सिर में चोट आई और चक्कर व धुंधलापन जैसे लक्षण शुरू हो गए। बाल कल्याण समिति द्वारा इस मामले में पुलिस को जुवेनाइल जस्टिस एक्ट की धारा 75 के तहत मामला दर्ज करने के निर्देश दिए गए थे, बावजूद इसके चालान पेश करते समय इस धारा को शामिल नहीं किया गया।

इस पर कड़ा संज्ञान लेते हुए डॉ. शर्मा ने अभियोग पत्र में उक्त धारा को जोड़ते हुए तत्काल कार्यवाही सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। प्रकरण को क्रमांक 1297/25 के अंतर्गत पंजीबद्ध कर आयोग ने इसकी समीक्षा शुरू कर दी है। डॉ. शर्मा ने स्पष्ट कहा कि बच्चों के साथ किसी भी प्रकार की क्रूरता बर्दाश्त नहीं की जाएगी। आयोग बच्चों के हितों की रक्षा हेतु पूरी गंभीरता से कार्य कर रहा है! यह सख्त रुख न केवल कानून व्यवस्था को बच्चों के हित में संवेदनशील बनाने का प्रयास है, बल्कि राज्य में बच्चों के प्रति होने वाली हिंसा को रोकने की दिशा में एक ठोस कदम भी है।

संघ को करीब से समझने का मौका मिला : अरविंद नेताम

रायपुर। पूर्व केंद्रीय मंत्री और प्रमुख आदिवासी नेता अरविंद नेताम ने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (RSS) के एक कार्यक्रम में शामिल होने के बाद आज एक प्रेस वार्ता को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने मोहन भागवत को कार्यक्रम में आमंत्रित करने के लिए धन्यवाद दिया और संघ की कार्यशैली की सराहना की। नेताम ने कहा कि यह पहली बार था जब उन्हें संघ के कार्यक्रम में शामिल होने का अवसर मिला, जिससे उन्हें संघ को करीब से समझने का मौका मिला।

उन्होंने बताया कि आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत के साथ उनकी खुली और सार्थक बातचीत हुई, जिसमें कई महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा की गई। विशेष रूप से, संघ और आदिवासी समाज के बीच वैचारिक दूरियों को कम करने के उपायों पर विचार-विमर्श हुआ। नेताम ने आरएसएस से आग्रह किया कि आदिवासी समाज में एकजुटता की कमी को दूर करने के लिए कोई रास्ता निकाला जाए। उन्होंने कहा, कांग्रेस के दौरान लाए गए उदारीकरण ने आदिवासी समाज के लिए खतरे की घंटी बजा दी थी। जब देश में सारी आशाएं खत्म हो जाती हैं, तो संघ ही एकमात्र स्थान बचता है जो मदद कर सकता है।

तनाव प्रबन्धन पर चर्चा, रायपुर रेल मण्डल के वरिष्ठ अधिकारी हुए शामिल

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय के प्रशासक सेवा प्रभाग की ओर से डी.आर.एम. ऑफिस में वरिष्ठ अधिकारियों के लिए तनाव प्रबन्धन पर ब्रह्माकुमारी वीणा दीदी का व्याख्यान आयोजित किया गया। वीणा दीदी अधिकारियों को तनाव से बचने और तनाव को कम करने के लिए अनेक उपयोगी सुझाव दिए।

उन्होंने कहा कि तनाव से बचने के लिए हमें अपनी सोच को बदलना होगा। आप जो हैं जैसे हैं उसमें खुश रहना सीखें। सारी समस्या मन के कारण है। हम सब कुछ बदलना चाहते हैं किन्तु अपने विचारों को और सोंच को बदलने पर जरा भी ध्यान नहीं देते हैं। उन्होंने बतलाया कि सारे दिन में हमारे मन में लगभग तीस हजार विचार पैदा होते हैं जिसमें से अधिकांश विचार अनावश्यक और व्यर्थ होते हैं। चूंकि इन विचारों में एनर्जी होती है अत: व्यर्थ विचारों के द्वारा हम अपनी उर्जा को गंवा देते हैं और थक जाते हैं। हमें जिन्दगी में सन्तुलन बनाकर चलना सीखना है। जितना हम शरीर पर ध्यान देते हैं उतना ही मन पर भी ध्यान देने की जरूरत है। गुस्से पर नियंत्रण करना सीखें। कुछ भी हो जाए कभी हताश न हों। आशावादी बनें।

उन्होंने कहा कि आजकल तनाव होना आम समस्या हो चुकी है। छोटे बच्चे से लेकर बूढ़ों तक सभी को तनाव का सामना करना पड़ रहा है। अगर तनाव को मैनेज करना आ गया तो जीवन खुशहाल हो जाता है। तनाव हमारे मन में उत्पन्न होता है इसलिए हम मन का प्रबन्धन करने के बारे में चर्चा करेंगे। तनाव से घबराने की जरूरत नहीं है यह एक मैसेन्जर की तरह है जो कि हमें यह बतलाता है कि अब अपने अन्दर कुछ बदलाव लाने की जरूरत है। कभी-कभी ऑफिस में परस्पर तालमेल तथा सामंजस्य नही होने के कारण भी तनाव का सामना करना पड़ता है। इसी प्रकार टालने की प्रवृत्ति भी तनाव पैदा करती है। जब हम किसी बात को टालते जाते हैं कि इसे बाद में करेंगे और जब समय एकदम नजदीक आ जाता है तब तनाव बढ़ जाता है।

उन्होंने आगे कहा कि कुछ लोग दूसरों में बुराईयाँही देखते हैं। अच्छाई पर उनकी नजर नहीं जाती। उन्होंने लॉ ऑफ अट्रैक्शन की चर्चा करते हुए बताया कि जो हम सोचते हैं वही हमें वापिस मिलता है। भले ही आप कितने भी व्यस्त रहते हों किन्तु अब आपको रोजाना दस मिनट स्वयं के लिए निकालना होगा। मेडिटेशन करें, अपनी रूचि का खेल खेलें, परिवारजनों से मिलें अपना सुख-देख बाँटें। उन्होंने दोनों हाथों को जोड़कर नमस्कार करने की विधि को विज्ञान सम्मत बतलाते हुए कहा कि इस सम्बन्ध में बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय ने शोध करके बतलाया है कि दोनों अंगूठों को मिलाने से हमारे शरीर में पाजिटिव एनर्जी प्रवाहित होने लगती है।

सबसे पहले ब्रह्माकुमारी सौम्या दीदी ने ब्रह्माकुमारी संस्था का और वीणा दीदी का परिचय दिया। आभार प्रदर्शन सीनियर डिवीजनल कामर्शियल मैनेजर अवधेश कुमार त्रिवेदी ने किया। कार्यक्रम में रेल मण्डल प्रबन्धक दयानन्द और उनकी धर्मपत्नी ने ब्रह्माकुमारी वीणा दीदी को शॉल और मोमेन्टो प्रदान कर सम्मानित किया। कार्यक्रम में सहायक रेल मण्डल प्रबन्धक बजरंग अग्रवाल और उनकी धर्मपत्नी सहित अधिकारीगण उपस्थित थे।

सैनिकों का बलिदान व समर्पण देश की सुरक्षा और गौरव का आधार-शर्मा

उपमुख्यमंत्री ने सैनिक कल्याण परिसर में नव निर्मित भित्ति चित्रों का किया लोकार्पण

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। संचालनालय सैनिक कल्याण रायपुर के परिसर में आज उपमुख्यमंत्री एवं गृह मंत्री विजय शर्मा ने भारतीय सशस्त्र सेना के शौर्य और ऐतिहासिक कार्यों को दर्शाने वाले नव निर्मित भित्ति चित्रों का लोकार्पण किया। उपमुख्यमंत्री श्री शर्मा ने कहा कि ये भित्ति चित्र सैनिक कल्याण परिसर की बाहरी दीवारों को सुशोभित करते हैं, जो भारतीय सेना, नौसेना और वायुसेना के गौरवशाली योगदान को प्रदर्शित करते हैं। ये चित्र न केवल परिसर की शोभा बढ़ाते हैं, बल्कि युवाओं के लिए प्रेरणा का स्रोत भी हैं, जो उन्हें भारतीय सशस्त्र सेनाओं में शामिल होने के लिए प्रोत्साहित करेंगे। इसके पश्चात उन्होंने परिसर में स्थित कल्याण बाग में वृक्षारोपण किया।

इस अवसर पर ब्रिगेडियर टीएस बावा, सेना मेडल, कमांडर, मुख्यालय छत्तीसगढ़-ओडिशा सब एरिया, एयर कमोडोर एफपी पिंटो, शौर्य चक्र, वायु सेना मेडल, मेन्सन-इन-डिस्पेच, कमांडर, एंटी नक्सल टास्क फोर्स, कमोडोर एएस बिसेन (सेवानिवृत्त); कर्नल एस. रमेश, कार्यवाहक कमांडर, एनसीसी ग्रुप मुख्यालय, रायपुर; सहित कई गणमान्य नागरिक, सैन्य अधिकारी और भूतपूर्व सैनिक उपस्थित थे।

इस दौरान उपमुख्यमंत्री श्री विजय शर्मा ने भारतीय सशस्त्र सेना के जवानों की वीरता, त्याग और समर्पण की प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि हमारे सैनिकों का बलिदान और समर्पण देश की सुरक्षा और गौरव का आधार है। उन्होंने भूतपूर्व सैनिकों और उनके परिवारों के कल्याण के लिए हर संभव सहायता प्रदान करने का आश्वासन दिया। साथ ही उन्होंने सैनिक कल्याण बोर्ड द्वारा किए जा रहे प्रयासों की सराहना की और भविष्य में भी गृह विभाग के सहयोग से इन प्रयासों को और सशक्त करने का विश्वास दिलाया। माननीय उप मुख्यमंत्री ने वीर नारियों के सम्मान में गर्व व्यक्त करते हुए कहा कि सैनिक कल्याण संचालनालय और गृह विभाग मिलकर भूतपूर्व सैनिकों के कल्याण के लिए सभी योजनाओं को प्रभावी ढंग से लागू करेंगे। उन्होंने भूतपूर्व सैनिकों और उनके परिवारों के साथ अनौपचारिक चर्चा भी की और उनकी समस्याओं के त्वरित समाधान का आश्वासन दिया।

कार्यक्रम के दौरान माननीय उप मुख्यमंत्री ने वीर नारियों और वीर माताओं को शाल, श्रीफ्ल और 11,000 रुपये की नकद राशि प्रदान कर सम्मानित किया। इसके अतिरिक्त तीन भूतपूर्व सैनिक हितग्राहियों को कल्याणकारी योजनाओं के तहत धनादेश वितरित किए गए। संचालक, सैनिक कल्याण, ब्रिगेडियर विवेक शर्मा, विशिष्ट सेवा मेडल (सेवानिवृत्त) ने राज्य सैनिक बोर्ड की गतिविधियों, कार्यकलापों और भूतपूर्व सैनिकों के लिए केंद्र व राज्य सरकार द्वारा संचालित कल्याणकारी योजनाओं की विस्तृत जानकारी प्रस्तुत की। उन्होंने बताया कि ये योजनाएँ भूतपूर्व सैनिकों और उनके परिवारों के जीवन स्तर को बेहतर बनाने के लिए समर्पित हैं।

मुख्यमंत्री ग्रामीण बस सुविधा योजनाः राज्य स्तरीय समिति की हुई बैठक

रायपुर। मुख्यमंत्री ग्रामीण बस सुविधा योजना के संचालन के लिए राज्य स्तरीय समिति बैठक मंत्रालय महानदी भवन में परिवहन विभाग के सचिव एवं आयुक्त एस प्रकाश की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई। बैठक में छत्तीसगढ़ राज्य के सुदुर ग्रामीण क्षेत्रों में आम जनता को सुलभ परिवहन सेवा उपलब्ध कराने के लिए विभिन्न प्रस्तावों पर विस्तार से चर्चा हुई। इस योजना अंतर्गत नवीन ग्रामीण मार्गों के विनिर्धारण के संबंध में अधिकारियों ने जानकारी रखी। इस योजना के अंतर्गत प्रथम चरण में राज्य के बस्तर एवं सरगुजा संभागों में दूरदराज के ईलाकों के गांव जहां पर सड़क है परंतु यात्री वाहन संचालित नहीं है ऐसे मार्गों पर यात्री वाहन का संचालन किया जाएगा।

बैठक में परिवहन आयुक्त एस. प्रकाश ने बताया कि बस्तर तथा सरगुजा संभाग के अंतर्गत आने वाले जिलों से नवीन ग्रामीण मार्गों के विनिर्धारण हेतु राज्य स्तरीय समिति को प्रस्ताव प्राप्त हुए है। इनमें बस्तर संभाग के अंतर्गत दंतवोड़ा से 9, सुकमा से 2, बस्तर से 11, बीजापुर से 14, कोण्डागांव से 16 और नारायणपुर से 3 प्रस्ताव नवीन ग्रामीण मार्गों के विनिर्धारण हेतु प्रस्ताव मिले है। इसी प्रकार से सरगुजा संभाग के अंतर्गत जशपुर जिले से 2, सरगुजा से 2, बलरामपुर से 7 और मनेन्द्रगढ़ चिरमिरी और भरतपुर जिले से 9 प्रस्ताव नवीन ग्रामीण मार्गों हेतु प्राप्त हुए। बैठक में परिवहन विभाग के अपर आयुक्त डी.रविशंकर सहित लोक निर्माण विभाग, एनएचएआई और पीएमजीएसवाय के अधिकारी शामिल हुए।

राजभवन तैयार करेगा शिक्षा महाविद्यालयों का बायोडाटा

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। राजभवन प्रदेश के सभी बीएड कॉलेजों की विस्तृत जानकारी जुटाने की प्रक्रिया शुरू करने जा रहा है। इसके लिए सभी विश्वविद्यालयों को पत्र भेजकर उनसे संबंधित शासकीय और निजी शिक्षा महाविद्यालयों से तय प्रारूप में सूचना मांगी गई है। इसमें शैक्षणिक जानकारी के साथ ही महाविद्यालय में जलस्रोत, फर्नीचर की संख्या, शिक्षकों का वेतन, कम वेतन पर कार्यरत शिक्षकों की संख्या और पुस्तकालय में उपलब्ध पुस्तकों की जानकारी भी शामिल है।

राजभवन द्वारा 25 अप्रैल को सभी विश्वविद्यालयों को पत्र भेजा गया था, जिसमें बीएड और डीएलएड महाविद्यालयों से राष्ट्रीय शिक्षा नीति (NEP) के पालन से जुड़ी जानकारी मांगी गई है। पत्र में स्पष्ट किया गया है कि यह जानकारी तीन माह के भीतर, यानी 25 जुलाई तक अनिवार्य रूप से भेजनी होगी। विश्वविद्यालयों ने संबंधित महाविद्यालयों को प्रपत्र भेजकर निर्धारित प्रारूप में जानकारी समयसीमा के भीतर देने के निर्देश दिए हैं। शिक्षा नीति के अनुपालन की हो रही समीक्षा, 21,200 से ज्यादा सीटों पर होता है संचालन।

प्रदेश में पहली बार ऐसी स्थिति बनी है जब बीएड और डीएलएड महाविद्यालयों से इतनी सूक्ष्म और विस्तृत जानकारी मांगी गई है। बीएड कॉलेज एसोसिएशन के संयोजक राजीव गुप्ता ने बताया कि सभी शिक्षा महाविद्यालय राष्ट्रीय शिक्षा नीति के निर्देशों का पूरी तरह पालन कर रहे हैं और शासन द्वारा मांगी गई जानकारी भी समयसीमा में प्रस्तुत कर दी जाएगी। राज्य में वर्तमान में 140 बीएड कॉलेज संचालित हो रहे हैं, जिनमें बीएड की 14,500 सीटें उपलब्ध हैं। वहीं डीएलएड पाठ्यक्रम के लिए छत्तीसगढ़ में कुल 6,700 सीटें हैं।

राजभवन द्वारा भेजे गए विस्तृत परपत्र को देखकर कई शिक्षा महाविद्यालयों का प्रबंधन असमंजस में पड़ गया है। मांगी गई सूचनाओं में शिक्षकों की पिछली उपस्थिति पंजी, बैंक स्टेटमेंट, शोध पत्र, प्रकाशित पुस्तकें व लेख, शोध पर हुई खर्च राशि, संचालन समिति की संपत्ति, भवन व भूमि की स्थिति, खेल मैदान, खुले भूखंड, मानव संसाधन समेत अत्यंत सूक्ष्म जानकारी शामिल है। प्रबंधन का कहना है कि इनमें से कई सूचनाएं जुटाना बेहद कठिन है, क्योंकि उनके दस्तावेज एकत्र करना जटिल कार्य है।

प्रशासन की पहल पर बिल्डरों ने की अधिक क्षमता वाले रेन वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम तैयार

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। क्रेडाई छत्तीसगढ़ से संबंद्ध बिल्डरों ने हमेशा ही जिला प्रशासन व रायपुर नगर निगम के जनहित के प्रस्तावों पर अमल करते हुए कार्य किया है। शहर में लगातर गिरते वाटर लेवल को लेकर निगम प्रशासन जल संचय बढ़ाने प्रयासरत हैं, पिछले दिनों इसी कड़ी में प्रशासनिक अधिकारियों के साथ क्रेडाई सदस्यों की हुई बैठक में कहा गया था कि बिल्डर्स अपने हर प्रोजेक्ट साइट पर और ज्यादा क्षमता वाले आधुनिक रेन वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम तैयार करें जिससे अधिक जल संचय हो सके। जिसका पालन करते हुए बिल्डरों ने करीब 80 से 100 ऐसे अत्याधुनिक रेन वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम पीट तैयार किये हैं जिस पर प्रत्येक में करीब 2 लाख की लागत आयी है और इससे लाखों लीटर पानी संचय हो सकेगा।

समीक्षा बैठक कलेक्टर रायपुर डॉ.गौरव सिंह व नगर निगम आयुक्त विश्वदीप के साथ क्रेडाई सदस्यों की हुई जिसमें क्रेडाई के अध्यक्ष पंकज लाहोटी व सचिव अभिषेक बच्छावत ने बताया कि वैसे तो हर बिल्डर्स अपने प्रोजेक्ट में रेन वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम तैयार करते ही हैं पर शासन की मंशा थी कि और अत्याधुनिक रेन वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम तैयार करें जिससे अधिक मात्रा में जल संचय हो सके। इसी का परिपालन करते हुए अलग-अलग साइट पर बिल्डरों ने 80 से 100 ऐसे आधुनिक रेन वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम पीट बनाये हैं जिनसे काफी बड़ी मात्रा में जल संचय होगा,लगभग प्रत्येक पीट से लाखों लीटर जल संचित होंगे और यह वाटर लेबल को बढ़ाने में काफी उपयोगी साबित होगा।

भले ही इस अतिरिक्त निर्माण पर दो लाख का खर्च (प्रत्येक सिस्टम) में आया है पर शासन की मंशा काफी अच्छी और दूरदृष्टि वाली है भविष्य को देखते हुए इसकी और भी जरूरत हैं और बिल्डर्स भी शासन के साथ कदमताल करते हुए आगे और भी निर्माण करेंगे। उन्होने यह भी अवगत कराया कि क्रेडाई बिल्डर्स पूरी तरह सजग है जल बचाने और सभी अपने प्रोजेक्ट्स में इसका अनुसरण पहली प्राथमिकता के रुप में कर रहे हैं। प्रेजेंटेशन के माध्यम से उन्होने हुए तैयार किए गए आधुनिक रेन वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम के कार्यो से अवगत कराया।

बैठक में क्रेडाई सदस्यों ने जल संचय के लिए किए जा रहे हैं जिला व निगम प्रशासन के कार्यो की सराहना करते हुए यह भी आश्वस्त किया कि शहर के विकास व जनहित के विषयों पर क्रेडाई हमेशा प्रशासन के साथ हैं। बैठक में जिला कलेक्टर डॉ. गौरव सिंह,नगर निगम आयुक्त विश्वदीप, क्रेडाई के अध्यक्ष पंकज लाहोटी, चेयरमेन मृणाल गोलछा, सचिव अभिषेक बच्छावत ऋत्विक नत्थानी, ऋषभ कटारिया,आयुश मोदी व नवनीत अग्रवाल उपस्थित थे।

राष्ट्रीय महिला आयोग की अध्यक्ष ने रायपुर प्रवास के दौरान बीपीओ का लिया जायजा

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। राष्ट्रीय महिला आयोग की अध्यक्ष श्रीमती विजया रहाटकर ने अपने रायपुर प्रवास के दौरान कलेक्टोरेट के समीप मल्टीलेवल पार्किंग में संचालित बीपीओ (बिजनेस प्रोसेस आउटसोर्सिंग) केंद्र पहुंची। उन्होंने बीपीओ में संचालित कार्य प्रणाली को देखा, समझा और उसकी सराहना की।

निरीक्षण के दौरान उन्होंने दंतेवाड़ा जिले के गीदम से आकर यहां कार्यरत सुश्री निधि पूर्ति से विशेष रूप से बातचीत की। श्रीमती राहटकर ने कहा, आप एक छोटे से गांव से आकर राजधानी में बेहतरीन कार्य कर रही हैं। आप अपने गांव की अन्य लड़कियों के लिए प्रेरणास्रोत होंगी। इस अवसर पर राष्ट्रीय महिला आयोग की सदस्य श्रीमती ममता कुमारी, बिलासपुर की महापौर श्रीमती पूजा विधानी, राज्य महिला आयोग की पूर्व अध्यक्ष श्रीमती हर्षिता पांडे, श्रीमती विभा राव, राज्य महिला आयोग के सदस्यगण, रायपुर संभागायुक्त महादेव कावरे, कलेक्टर डॉ. गौरव सिंह, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक डॉ. लाल उम्मेद सिंह, डीपीओ सुश्री शैल ठाकुर सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

पिंक ड्रेस में सोफी चौधरी ने बिखेरा जलवा

बॉलीवुड की ग्लैमरस डीवा सोफी चौधरी एक बार फिर अपने बोल्ड अंदाज़ से सोशल मीडिया पर कहर ढा रही हैं। हाल ही में उन्होंने इंस्टाग्राम पर कुछ नई तस्वीरें शेयर की हैं जिसमें वह पिंक ड्रेस में समंदर किनारे रेत पर वॉक करती नजर आ रही हैं। थाईलैंड के फेमस बीच खाओ लाख की हैं, जहां सोफी अपने वेकेशन के पल एंजॉय करती दिख रही हैं। कैप्शन में सोफी ने लिखा, सूर्यास्त और सुलगना सेवा और साथ में नोफिल्टरनीडेड और सुनहरे घंटे जैसे हैशटैग्स का इस्तेमाल किया है। इस फोटोशूट में उन्होंने बिना किसी फिल्टर के नेचुरल सनसेट लाइट के साथ अपना हॉट अंदाज़ पेश किया है जो फैंस को बेहद पसंद आ रहा है।

पिंक कलर की बैकलेस ड्रेस में सोफी का कर्वी फिगर और कंफिडेंस देखने लायक है। कैमरे के लिए उनका पोज और बीच वेव्स के साथ उनका यह लुक बिल्कुल फिल्मी लग रहा है। तस्वीरों में उनका सिज़लिंग अंदाज़ इंटरनेट पर तेजी से वायरल हो रहा है।

सोफी के इस पोस्ट पर फैन्स और सेलेब्स कमेंट्स की बौछार कर रहे हैं। किसी ने उन्हें सूर्यास्त रानी कहा तो किसी ने परम ग्लैमर दिवा । कुछ ही घंटों में इन तस्वीरों पर हजारों लाइक्स और कमेंट्स आ चुके हैं। सोफी चौधरी सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं और अक्सर अपने स्टाइलिश लुक्स से फैंस को इम्प्रेस करती हैं । उनका यह लेटेस्ट बीच लुक एक बार फिर साबित करता है कि वह फैशन और ग्लैमर की दुनिया में हमेशा ट्रेंडसेटर बनी रहती हैं।

बॉक्स ऑफिस पर करोड़ों में खेल रही भूल चूक माफ मिशन इंपॉसिबल 8 की कमाई में दिखा उछाल

सिनेमाई पर्दे पर इस समय बॉलीवुड से लेकर हॉलीवुड की फिल्में दिखाई जा रही हैं। इस कड़ी में राजकुमार राव की भूल चूक माफ से लेकर टॉम क्रूज की मिशन इंपॉसिबल 8 भी शामिल हैं। इतना ही नहीं, इसमें जैकी चैन की कराटे किड लेजेंड्स भी मौजूद है। आइए जानते हैं क्या रहा बुधवार का बॉक्स ऑफिस कलेक्शन।

करण शर्मा के निर्देशन में बनी फिल्म भूल चूक माफ को भी सिनेमाघरों में रिलीज हुए 13 दिन हो चुके हैं। राजकुमार राव और वामिका गब्बी अभिनीत यह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर औसत प्रदर्शन कर रही है। बुधवार यानी कि रिलीज के 13वें दिन भूल चूक माफ ने 1.63 करोड़ रुपये कमाए थे। वहीं मंगलवार को फिल्म ने 2.2 करोड़ रुपये की कमाई की थी, जो फिल्म की गिरती कमाई की ओर इशारा करती है। अभी तक फिल्म के कुल कलेक्शन की बात करें तो इसने 64.98 रुपये कमा लिए हैं।

राजकुमार राव और वामिका गब्बी अभिनीत 'भूल चूक माफ' को सिनेमाघरों में रिलीज हुए 13 दिन हो चुके हैं। फिल्म बॉक्स ऑफिस पर ठीक-ठाक प्रदर्शन कर रही हैं और इसने अपने बजट से ज्यादा की कमाई भी कर ली है। लेकिन फिल्म निर्माताओं ने निर्णय लिया है कि यह फिल्म 6 जून यानी कि शुक्रवार से ओटीटी प्लेटफॉर्म पर रिलीज हो जाएगी।

हॉलीवुड सुपरस्टार टॉम क्रूज की फिल्म मिशन इम्पॉसिबल - द फाइनल रेकनिंग भी भारतीय दर्शकों को सिनेमाघरों में अपना दीवाना बना रही है। फिल्म को रिलीज हुए 19 दिन हो चुके हैं। बुधवार के दिन फिल्म की कमाई में उछाल देखने को मिला, जिसने 1.43 करोड़ रुपये का कलेक्शन किया। वहीं मंगलवार को फिल्म ने 76 लाख रुपये कमाए थे। इसके अलावा कुल कमाई की बात करें तो मिशन इम्पॉसिबल - द फाइनल रेकनिंग ने अभी तक 93.76 करोड़ रुपये कमा लिए हैं। अब बहुत जल्द टॉम क्रूज की यह फिल्म 100 करोड़ के क्लब में शामिल हो सकती है।

चाइनीज सुपरस्टार जैकी चैन की फिल्म कराटे किड लेजेंड्स भी भारतीय दर्शकों को दिखाई जा रही है, जो 30 मई को सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी। ओपनिंग डे पर फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर 1.6 करोड़ रुपये कमाए थे, इसके बाद से फिल्म की कमाई में गिरावट जारी है। बीते दिन यानी कि बुधवार को कराटे किड लेजेंड्स ने 44 लाख रुपये कमाए थे। वहीं मंगलवार को इसने 58 लाख रुपये का कलेक्शन किया था। अभी तक फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर 8.25 करोड़ रुपये कमा लिए हैं।

शादी से पहले 34 बच्चों की मां बन गई थी ये मशहूर अभिनेत्री

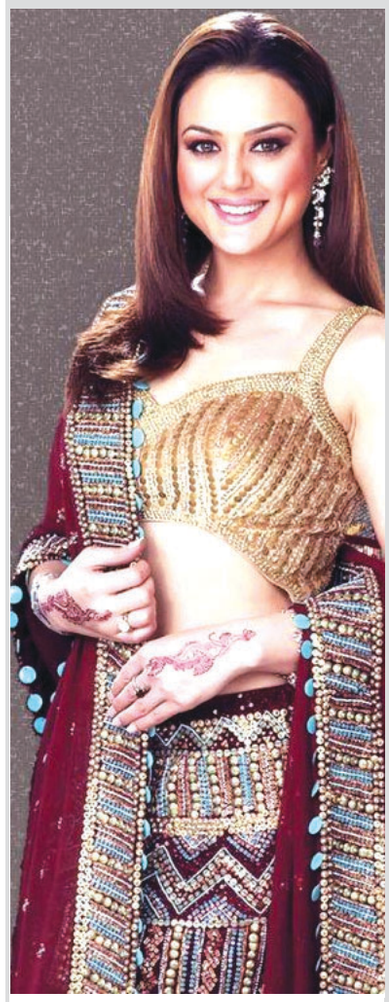

बॉलीवुड की दुनिया में कई ऐसी पुरानी अदाकाराएँ हैं जिन्होंने समय के साथ खुद को प्रासंगिक बनाए रखा है और आज भी लाखों दिलों में अपनी जगह बनाए हुए हैं। भले ही उन्होंने बड़े पर्दे से दूरी बना ली हो, लेकिन वे अपने फैंस के साथ किसी न किसी रूप में जुड़ी रहती हैं। ऐसी ही एक मशहूर अभिनेत्री हैं प्रीति जिंटा, जो आजकल विभिन्न कारणों से सुर्खियों में बनी हुई हैं। प्रीति जिंटा जो कि हिमाचल के शिमला में रहने वाली हैं। उनका बचपन वहीं पर बतीत हुआ है।

प्रीति जिंटा, जिन्हें आखिरी बार साल 2018 में फिल्म में देखा गया था, वर्तमान में आईपीएल 2025 के फाइनल में उनकी टीम, पंजाब किंग्स चर्चा का केंद्र बनी थी। उनकी टीम की यह उपलब्धि न केवल उनके क्रिकेट प्रेम को दर्शाती है, बल्कि उनके व्यावसायिक कौशल को भी उजागर करती है।

करियर की शुरुआत और पहचान

प्रीति जिंटा ने अपने अभिनय करियर की शुरुआत साल 1998 में शाहरुख खान अभिनीत फिल्म 'दिल से' से की थी। इस फिल्म में उनका रोल छोटा लेकिन यादगार था। इसके बाद, उन्होंने 'क्या कहना' जैसी फिल्मों में काम किया और धीरे-धीरे बॉलीवुड में अपनी एक खास पहचान बनाई। अपनी चुलबुली मुस्कान और दमदार अभिनय से प्रीति ने बहुत जल्द दर्शकों के दिलों में अपनी जगह बना ली।

शादी और निजी जीवन में नया मोड़

साल 2016 में, प्रीति ने अपने जीवन में एक नया अध्याय शुरू किया और शादी रचा ली। लेकिन शादी से भी सात साल पहले, एक ऐसा फैसला था जिसने उन्हें मातृत्व का अनोखा अनुभव दिया।

34 अनाथ बच्चों की बनीं 'मां'

यह बात साल 2009 की है, जब प्रीति जिंटा अपना 34वां जन्मदिन मना रही थीं। इस खास दिन को उन्होंने और भी यादगार बनाने का फैसला किया। 34 साल की होने पर, उन्होंने 34 अनाथ लड़कियों को गोद लेने का संकल्प लिया। उस समय, प्रीति ने इस अनुभव को 'अनोखा' बताया था और यह भी कहा था कि वह इन सभी बच्चों का पूरा ध्यान रखेंगे। उन्होंने यह भी वादा किया था कि वह साल में कम से कम दो बार ऋषिकेश आकर इन बच्चों से मिलेंगी। यह कदम उनकी मानवीयता और समाज के प्रति उनके समर्पण को दर्शाता है।

प्रियंका चोपड़ा की हेड्स ऑफ स्टेट का ट्रेलर रिलीज जबरदस्त एक्शन संग कॉमेडी का लगा तड़का

प्रियंका चोपड़ा की अपकमिंग एक्शन-कॉमेडी हेड्स ऑफ स्टेट का ट्रेलर रिलीज कर दिया गया है। ट्रेलर शानदार है और प्रियंका ट्रेलर में जबरदस्त एक्शन करती नजर आ रही हैं, ट्रेलर देखते ही फैंस पहले से ही एमआई6 एजेंट नोएल बिसेट के रूप में प्रियंका चोपड़ा जोनास की जबरदस्त परफॉर्मेंस की तारीफ कर रहे हैं। इदरीस एल्बा और जॉन सीना के साथ काम करते हुए, चोपड़ा इल्या नाइशुलर द्वारा निर्देशित इस फिल्म में एक अहम किरदार निभा रही हैं। 2 मिनट 46 सेकंड के ट्रेलर में यूके के प्रधानमंत्री सैम क्लार्क (एल्बा) और यूएस के राष्ट्रपति विल डेरिंगर (सीना) को इंट्रोड्यूस किया गया है जो एक मुसीबत में फंस गए हैं। जब एक विदेशी दुश्मन उन्हें निशाना बनाता है, तो दोनों नेता सेना में शामिल होने के लिए मजबूर हो जाते हैं। एजेंट नोएल बिसेट (प्रियंका) की एंट्री होती है, जिसका मिशन उनकी रक्षा करना और एक ऐसी साजिश को रोकने में मदद करना है जो विश्व में अशांति फैला सकती है। पैडी कॉन्सिडाइन, कार्ला गुगिनो, जैक क्रैड, स्टीफन रूट और साराह नाइल्स के लीड रोल वाली इस फिल्म में 90 के दशक की कॉमेडी फिल्मों की याद दिलाने वाले हाई-स्टेक एक्शन और मजेदार वन-लाइनर्स शामिल हैं। ट्रेलर रिलीज होने के बाद से ही फैंस की दमदार स्क्रीन प्रेजेंस की तारीफ कर रहे हैं। एक्स (पूर्व में ट्विटर) पर एक यूजर ने लिखा, प्रियंका चोपड़ा जोनास, बहुत गर्व है, बहुत उत्साहित हूं, मैं इंतजार नहीं कर सकता। कई लोगों ने यह भी कहा कि इस ट्रेलर ने क्वांटिको के दिनों की याद दिला दी।

फिल्म आरटी 76 का हुआ भव्य शुभारंभ पहली पोस्टर भी आई सामने

रवि तेजा ने किशोर तिरुमाला से मिलाया हाथ, मास महाराजा रवि तेजा, जो अपनी शानदार स्क्रीन प्रेजेंस, सहज अभिनय और बेहतरीन कॉमिक टाइमिंग के लिए जाने जाते हैं, पारिवारिक मनोरंजन के मास्टर, निर्देशक किशोर तिरुमाला के साथ मिलकर आरटी76 नामक एक रोमांचक नई परियोजना के लिए काम करने के लिए तैयार हैं। इस फिल्म का निर्माण सफल निर्माता सुधाकर चेरुकुरी द्वारा प्रतिष्ठित एसएलवी सिनेमा बैनर के तहत किया जाएगा, जो उच्च मनोरंजन मूल्य के साथ गुणवत्तापूर्ण सिनेमा देने के लिए जाना जाता है।

इस अद्भुत संयोजन वाली फिल्म का आज मुहूर्त समारोह के साथ भव्य शुभारंभ किया गया। निर्देशक किशोर तिरुमाला ने रवि तेजा की कॉमेडी की खास शैली से सजी एक पूरी तरह से पारिवारिक विषय पर आधारित फिल्म लिखी है। यह फिल्म अभिनेता को उनके सर्वश्रेष्ठ रूप में दिखाने का वादा करती है, जिसमें हंसी और भावनाएं समान रूप से दिखाई देंगी। प्रशंसक पुरानी रवि तेजा ऊर्जा की उम्मीद कर सकते हैं, जो एक ऐसी कहानी में समाहित है जो सभी आयु वर्ग के दर्शकों को पसंद आएगी।

घोषणा पोस्टर में रवि तेजा को बेहद स्टाइलिश अवतार में दिखाया गया है, उन्होंने चेकर्ड डिज़ाइनर सूट पहना हुआ है। विमान की सीट पर आराम से बैठे हुए, वह आकर्षक लग रहे हैं, उनका एक पैर आराम से आगे की सीट पर टिका हुआ है, एक हाथ में वाइन की बोतल है और दूसरे हाथ में किताब है। यह रवि तेजा का अब तक का सबसे परिष्कृत रूप है। उनके हाथ में जो किताब है, उस पर स्पेनिश में लिखा है, इसे देखें और कहें, जो उनके किरदार के एक दिलचस्प नए पहलू की ओर इशारा करता है। फिल्म में अनुभवी तकनीशियन होंगे जो अलग-अलग शिल्प का ध्यान रखेंगे। ब्लॉकबस्टर धमाका के लिए चार्टबस्टर एल्बम देने के बाद, भीम्स सेसिरोलेओ इस नई फिल्म के लिए रवि तेजा के साथ फिर से काम करेंगे, जबकि प्रसाद मुरेला कैमरा संभालेंगे। पुरस्कार विजेता संपादक श्रीकर प्रसाद और प्रतिभाशाली प्रोडक्शन डिजाइनर एएस प्रकाश फिल्म के लिए काम करेंगे।

स्ट्रेटनिंग आयरन का इस्तेमाल किए बिना बालों को सीधा करना है

बालों को सीधा करने के लिए स्ट्रेटनिंग आयरन का इस्तेमाल करना आम बात है, लेकिन इसके लगातार उपयोग से बालों को नुकसान पहुंच सकता है।

ऐसे में बेहतर होगा कि स्ट्रेटनिंग आयरन का इस्तेमाल न करें। आइए आज हम आपको कुछ ऐसे तरीके बताते हैं, जिनसे स्टाइलिंग आयरन के बिना ही आप अपने बालों को सीधा कर सकते हैं। इसके लिए आपको बस थोड़ी सी मेहनत करनी होगी और कुछ घरेलू नुस्खे अपनाने होंगे।

गीले बालों पर कंघी करें

गीले बालों पर कंघी करना एक आसान और प्रभावी तरीका है। जब आपके बाल थोड़े गीले हों तो एक चौड़ी दांतों वाली कंघी का इस्तेमाल करें। इससे आपके बाल आसानी से सुलझेंगे और टूटेंगे भी नहीं। कंघी करते समय धीरे-धीरे नीचे से ऊपर की ओर खींचें ताकि बालों की जड़ें भी सुलझ जाएं। यह तरीका न केवल आपके बालों को सीधा करेगा बल्कि उन्हें मुलायम और चमकदार भी बनाएगा। इसके अलावा इससे आपके बालों में प्राकृतिक लचीलापन भी आएगा।

तेल मालिश करें

बालों की जड़ों तक तेल पहुंचाना बहुत जरूरी है। इसके लिए आप नारियल या जैतून का तेल इस्तेमाल कर सकते हैं। यह बालों को पोषण देता है और उन्हें मुलायम बनाता है। तेल लगाने के बाद हल्के हाथों से मालिश करें ताकि खून का बहाव बेहतर हो सके। इससे बालों की जड़ें मजबूत होती हैं और वे टूटते भी नहीं। नियमित रूप से तेल मालिश करने से बालों की लंबाई भी बढ़ती है और वे स्वस्थ रहते हैं।

बालों के लिए सीरम लगाएं

बालों के लिए सीरम बालों को सीधा करने में बहुत मदद कर सकता है। इसके लिए थोड़ी मात्रा में सीरम लेकर अपने हाथों पर रगड़े, फिर इसे अपने पूरे सिर पर लगाएं। इससे आपके बाल मुलायम बनेंगे और उनमें चमक भी आएगी। सीरम लगाने से बालों की जड़ें मजबूत होती हैं और वे टूटते भी नहीं है। यह एक सरल और प्रभावी तरीका है, जिससे आप बिना किसी नुकसान के अपने बालों को सीधा कर सकते हैं।

बालों के स्प्रे का उपयोग करें

बालों का स्प्रे बालों की स्टाइलिंग को बनाए रखने में मदद करता है। इसे इस्तेमाल करने के लिए सबसे पहले अपने बालों को मनचाहे तरीके से सेट करें फिर हल्का सा स्प्रे छिड़कें। इससे आपका हेयरस्टाइल लंबे समय तक बरकरार रहेगा। स्प्रे लगाने से बालों में हल्की सी चमक आती है और वे उलझते भी नहीं है। इसके अलावा यह तरीका आपके बालों को एक व्यवस्थित रूप देता है, जिससे वे ज्यादा आकर्षक दिखते हैं।

क्या आप इन सब्जियों का जूस बनाकर पीते हैं, जानें इनका सेवन करना चाहिए या नहीं

आजकल कई लोग अपने स्वास्थ्य को लेकर काफी जागरूक हो गए हैं। इस कारण कई लोग अपने खाने में हरी सब्जियों को शामिल करने लगे हैं।

आमतौर पर हरी सब्जियों का जूस पीने की सलाह दी जाती है, लेकिन क्या आप जानते हैं कि कुछ ऐसी सब्जियां भी होती हैं, जिनका जूस बनाकर पीना सेहत को नुकसान पहुंचा सकता है। आइए हम आपको पांच ऐसी सब्जियों के बारे में बताते हैं, जिनका जूस नहीं पीना चाहिए।

पालक

पालक एक ऐसी सब्जी है, जो आमतौर पर सूप या सब्जी के रूप में खाई जाती है। हालांकि, इसका जूस न पीएं। इसका कारण है कि पालक में एक विशेष तत्व की अधिक मात्रा होती है, जो किडनी में पथरी का कारण बन सकता है। अगर आप पालक का जूस बनाकर पीते हैं तो इससे इस तत्व की मात्रा बढ़ सकती है, जिससे किडनी पर दबाव पड़ता है और पथरी का खतरा बढ़ सकता है।

चुकंदर

चुकंदर में एक तत्व की अधिक मात्रा होती है, जो शरीर में एक विशेष तत्व का निर्माण करती है। यह तत्व रक्तचाप को नियंत्रित करने में मदद करता है, लेकिन चुकंदर का जूस पीने से रक्तचाप अचानक बढ़ सकता है, जिससे चक्कर आने या सिरदर्द जैसी समस्याएं हो सकती हैं। इस वजह से चुकंदर का जूस पीने से बचना चाहिए और इसकी बजाय सलाद में इसका सेवन करना चाहिए।

केल

केल एक प्रकार की पत्तेदार सब्जी होती हैं, जिनमें विटामिन और कैल्शियम की अधिक मात्रा होती है। हालांकि, केल का जूस बनाकर पीना भी सही नहीं होता क्योंकि इनमें एक विशेष तत्व की मात्रा अधिक होती है, जो किडनी में पथरी का कारण बन सकती है।केल का जूस बनाने से इस तत्व की मात्रा बढ़ सकती है, जिससे किडनी पर दबाव पड़ता है और पथरी का खतरा बढ़ सकता है।

अरुगुला

अरुगुला एक हरी पत्तेदार सब्जी होती है, जिसमें एक विशेष तत्व की अधिक मात्रा होती है। इसका जूस बनाने से भी इस तत्व की मात्रा बढ़ सकती है, जिससे रक्तचाप अचानक बढ़ सकता है और सिरदर्द जैसी समस्याएं हो सकती हैं। अरुगुला का जूस बनाने से बचना चाहिए। इसके बजाय आप इसकी सलाद बना सकते हैं, जो सेहत के लिए फायदेमंद हो सकता है और आपके रक्तचाप को नियंत्रित रखने में मदद कर सकता है।

ब्रोकोली

ब्रोकोली एक पौष्टिक सब्जी होती है, जिसमें विटामिन की अधिक मात्रा होती है। हालांकि, इसका जूस बनाने से पेट पर दबाव पड़ सकता है, जिससे गैस्ट्रिक समस्याएं हो सकती हैं। ब्रोकोली का जूस बनाने से बचना चाहिए। इसके बजाय आप इसकी सब्जी बना सकते हैं या सलाद में शामिल कर सकते हैं, जो सेहत के लिए फायदेमंद हो सकता है और आपके पेट को प्रभावित नहीं करेगा।

शासन ने की अभिनव पहल, पहाड़ी कोरवा बच्चों का भविष्य हुआ उज्ज्वल

श्रीकंचनपथ न्यूज

कोरबा। कोरबा शहर से लगभग 80 किलोमीटर दूर गाँव है बरपानी... इस गाँव में जाने के लिए रास्ते हैं.. छोटे बच्चों के लिए आंगनबाड़ी है... स्कूल में पढ़ने के लिए ठीक ठाक भवन भी है... और यहाँ पढ़ाई करने वाले ज्यादातर बच्चे पहाड़ी कोरवा जनजाति के ही है। शासन ने यहाँ रहने वाले कोरवा जनजाति के बच्चों को शिक्षा से जोड़ने के लिए स्कूल ही नहीं खोले, भवन भी बनाया..लेकिन नियमित शिक्षक नहीं होने का खामियाजा यहाँ पढ़ाई करने वाले विद्यार्थियों को वर्षो से उठाना पड़ता रहा।

किसी तरह कुछ शिक्षकों को अटैचमेंट कर अध्यापन का कार्य तो कराया जाता रहा.. लेकिन यह व्यवस्था भी पहाड़ी कोरवाओं विद्यार्थियों के हित की नहीं थीं... आखिरकार मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में शासन ने अतिशेष शिक्षकों को ऐसे शिक्षकविहीन और एकलशिक्षकीय विद्यालयों में नियुक्ति करने की नीति बनाई तो वनांचल में मौजूद इस पहाड़ी कोरवा बाहुल्य गाँव के स्कूल बरपानी के भी भाग खुल गए। इस विद्यालय में अब दो अतिशेष शिक्षक पदस्थ हुए हैं, जो नियमित शिक्षक होंगे। यहाँ प्रधानपाठक के रूप में कमल सिंह कँवर और सहायक शिक्षक के रूप में अक्तिदास मानिकपुरी की नियुक्ति हुई है।

कोरबा ब्लॉक के अंतर्गत ग्राम पंचायत देवपहरी के आश्रित ग्राम बरपानी में विशेष पिछड़ी जनजाति पहाड़ी कोरवाओं का परिवार निवास करता है। यहाँ रहने वाले पहाड़ी कोरवाओं के बच्चों को शिक्षा से जोड़ने शासन ने पहल की। डीएमएफ से 2017 में नए भवन भी बनाएं। स्कूल में शिक्षा हेतु शिक्षक की व्यवस्था भी की गई थी। शहर से बहुत दूर वनांचल क्षेत्र में स्कूल होने से यहाँ कोई नियमित शिक्षक नहीं था। राज्य शासन द्वारा अतिशेष शिक्षको के समायोजन के निर्देश जारी होने के बाद जब कोरबा जिले के प्राथमिक शालाओ के अतिशेष शिक्षकों की काउंसिलिंग की गई तो प्राथमिक शाला बरपानी को एक नियमित प्रधानपाठक और एक रेगुलर शिक्षक मिल गया है। अब इस विद्यालय में भी शिक्षक उपलब्ध हो जाने से पहाड़ी कोरवाओं के बच्चों का भी भविष्य उज्ज्वल नजर आने लगा है। इन गाँव के संपत लाल कोरवा ने बताया कि स्कूल में 25 बच्चे हैं। विगत कई साल से रेगुलर शिक्षक नहीं होने से अध्यापन प्रभावित होता था। बीते शिक्षा सत्र में एक अतिथि महिला शिक्षक कक्षाएं लेती थी। अब खुशी की बात है कि हमारे गाँव के स्कूल को एक प्रधानपाठक और एक नियमित शिक्षक मिल गया है। गाँव के झुनी बाई, शैम्पूरम कोरवा, बुधवारी बाई ने बताया कि हमारे गाँव के पास स्कूल खुलने के बाद गाँव के बच्चों को स्कूल भेजते हैं। स्कूल में शिक्षक नहीं होने से दूसरे स्कूल के शिक्षको को भेजा जाता है। कई बार बीमारी या दूसरे कारणों से शिक्षक के अवकाश में रहने से समस्याएं आ जाती है। अब हमारे गाँव के स्कूल में शिक्षक मिल जाने से हमारे बच्चों को भी इन शिक्षकों के माध्यम से अच्छी शिक्षा मिलेगी।

शासन से अतिशेष शिक्षको को शिक्षकविहीन और एकलशिक्षकीय विद्यालय में युक्ति युक्तकरण व समायोजन के निर्देश जारी होने के पश्चात शिक्षा विभाग के माध्यम से कलेक्टर अजीत वसंत ने जिले के उन विद्यालयों को चिन्हित कराया,जहाँ पर लम्बे समय से शिक्षकों की कमी बनी हुई थी। उन्होंने दूरस्थ क्षेत्र के विद्यालयों, पहाड़ी कोरवाओं वाले विद्यालयों को भी लाभान्वित करने के उद्देश्य से अतिशेष शिक्षको की नियुक्ति में ऐसे विद्यालयों को प्राथमिकता में रखा।

युक्तियुक्तकरण से कोकड़ी प्राथमिक शाला को मिला नया शिक्षक

लगभग दो दशक बाद मिली राहत, अब बच्चों को मिलेगा समग्र विकास का अवसर

श्रीकंचनपथ न्यूज

महासमुंद। राज्य शासन द्वारा विद्यालयों और शिक्षकों के युक्तियुक्तकरण की पहल का असर अब जमीनी स्तर पर दिखाई देने लगा है। महासमुंद विकासखंड के ग्राम कोकड़ी (ग्राम पंचायत खट्टर) स्थित प्राथमिक शाला में वर्षों बाद एक अतिरिक्त शिक्षक की पदस्थापना की गई है। इससे विद्यालय की शैक्षणिक गुणवत्ता और संचालन व्यवस्था में स्पष्ट सुधार की उम्मीद की जा रही है।

प्रधानपाठक गेंदलाल कोकड़िया ने जानकारी दी कि विद्यालय पिछले लगभग 20 वर्षों से केवल एक शिक्षक के भरोसे संचालित हो रहा था। एक ही शिक्षक को सभी कक्षाओं को पढ़ाने, प्रशासनिक कार्यों का निर्वहन करने और विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास की जिम्मेदारी उठानी पड़ती थी, जिससे गुणवत्तापूर्ण शिक्षा देना बेहद कठिन हो गया था।

अब युक्तियुक्तकरण की प्रक्रिया के तहत हेमंत कुमार देवांगन को अतिरिक्त शिक्षक के रूप में पदस्थ किया गया है। इससे विद्यालय में कक्षाओं का उचित विभाजन संभव होगा और दोनों शिक्षक मिलकर पाठ्यक्रम को समय पर पूरा करने, विद्यार्थियों की समझ को गहराई देने तथा व्यक्तिगत मार्गदर्शन देने में सक्षम होंगे।

प्रधानपाठक ने बताया कि पहले पठन-पाठन के अलावा अन्य गतिविधियों के लिए समय नहीं मिल पाता था, लेकिन अब खेल, कला, पुस्तकालय संचालन, विज्ञान आधारित गतिविधियाँ जैसी सह-पाठ्यक्रम गतिविधियों को भी बढ़ावा मिल सकेगा। इससे विद्यार्थियों का समग्र विकास सुनिश्चित होगा।

गांववासियों और पालकों में इस सकारात्मक बदलाव को लेकर उत्साह है। उनका विवास है कि अब उनके बच्चों को बेहतर शिक्षा के साथ-साथ समुचित मार्गदर्शन भी मिलेगा। यह नियुक्ति न केवल विद्यालय के लिए, बल्कि पूरे समुदाय के लिए एक नई उम्मीद की तरह है। युक्तियुक्तकरण की यह पहल दूरस्थ व ग्रामीण अंचलों में शिक्षा व्यवस्था को सशक्त बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम साबित हो रही है।

खास खबर

राज्यपाल डेका ने मानपुर-मोहला-अंबागढ़ चौकी जिले के टी.बी. मरीजों को दी 60 हजार की सहायता

रायपुर। राज्यपाल रमेन डेका ने मानपुर-मोहला-अंबागढ़ चौकी जिले के 10 टीबी मरीजों के लिए एक सराहनीय कदम उठाते हुए उन्हें पौष्टिक आहार उपलब्ध कराने हेतु 60 हजार रुपए की आर्थिक सहायता प्रदान की है। यह सहायता राशि उन्होंने अपने स्वेच्छानुदान मद से दी है, जिससे मरीजों के स्वास्थ्य में सुधार लाने में मदद मिलेगी। प्रत्येक मरीज को प्रति माह 500 रुपए के मान से एक वर्ष तक सहायता दी जाएगी। उल्लेखनीय है कि पूर्व में राज्यपाल ने मनेन्द्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर, दंतेवाड़ा, बिलासपुर, कोरिया और सारंगढ़-बिलाईगढ, प्रत्येक जिले के 10-10 टीबी मरीजों के लिए कुल 3 लाख रुपए की सहायता राशि स्वीकृत की थी। भारत सरकार के प्रधानमंत्री टीबी मुक्त भारत अभियान के तहत राज्य को टीबी मुक्त बनाने के लिए राज्यपाल डेका ने इस अभियान में समुदाय की भागीदारी को अत्यंत आवश्यक बताया और जनसहयोग की महत्ता पर बल दिया है। श्री डेका जिले के भ्रमण के दौरान मरीजों की स्थिति की जानकारी लेते हैं और उनकी हरसंभव मदद सुनिश्चित करते हैं। ज्ञातव्य है कि प्रधानमंत्री टीबी मुक्त भारत अभियान का उद्देश्य टीबी रोगियों को सामुदायिक सहायता प्रदान करना है। टीबी से पीड़ित लोगों और उनके परिवार को पोषण, निदान और व्यवसायिक सहायता प्रदान करेगा जो समुदाय के भीतर प्रदान की जाएगी।

राजस्व प्रकरणों का समय-सीमा में निराकरण सुनिश्चित करें: कलेक्टर

बालोद। कलेक्टर दिव्या उमेश मिश्रा ने कहा कि राजस्व संबंधी कार्य आम जनता से सीधे जुड़े होने के कारण राजस्व प्रकरणों का समय-सीमा में निराकरण सुनिश्चित करना शासन के विशेष प्राथमिकता में शामिल है। उन्होंने शासन के मंशानुरूप जिले में राजस्व संबंधी सभी प्रकरणों का निराकरण निर्धारित समय-सीमा में सुनिश्चित करने के निर्देश राजस्व अधिकारियों को दिए है। कलेक्टर श्रीमती मिश्रा आज संयुक्त जिला कार्यालय सभाकक्ष मे राजस्व अधिकारियों की बैठक लेकर राजस्व विभाग के कार्यों की विस्तृत समीक्षा की। बैठक में अपर कलेक्टर चंद्रकांत कौशिक, नूतन कंवर एवं अजय किशोर लकरा सहित जिले के सभी राजस्व अनुविभागीय अधिकारियों के अलावा तहसीलदार, नायब तहसीलदार एवं अन्य अधिकारीगण उपस्थित थे। बैठक में कलेक्टर श्रीमती मिश्रा ने सीमांकन, बंटवारा, खाता विभाजन आदि सभी राजस्व प्रकरणों के ऑनलाईन निराकरण के कार्य की समीक्षा करते हुए सभी लंबित प्रकरणों का शीघ्र निराकरण सुनिश्चित करने को कहा। बैठक में उन्होंने डिजिटल क्रॉफ्ट सर्वे कार्य की भी समीक्षा की। उन्होंने डिजिटल क्रॉफ्ट सर्वे कार्य के लिए नोडल अधिकारियों के अलावा मास्टर ट्रेनर्स की नियुक्ति कर इस कार्य को विशेष प्राथमिकता के साथ पूरा करने को कहा।

सफलता की कहानी : श्रवण यंत्र मिलने से 3 वर्षीय बालक हर्ष हुआ गदगद

सारंगढ़ बिलाईगढ़। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में संपन्न सुशासन तिहार का दौर राज्य के नागरिकों के लिए सहायक सिद्ध हुआ है। कलेक्टर डॉ संजय कन्नौजे ने जिले के सभी समाधान शिविर में सभी विभाग के अधिकारियों को विभागीय योजनाओं की जानकारी, पात्रता आदि की जानकारी देने निर्देश दिए थे, जहां सभी अधिकारियों के जानकारी देने पर स्थानीय निवासी योजनाओं से अवगत हुए और वे लाभान्वित हो रहे हैं। इसी कड़ी में सुशासन तिहार में समाज कल्याण विभाग द्वारा दिव्यांग जनों को वितरित किए जाने वाले सहायक उपकरण की जानकारी दी गई थी, उसी से प्रेरित होकर बच्चे के पिता द्वारा दिव्यांग प्रमाण पत्र बनवा कर समाज कल्याण विभाग से संपर्क किया गया और समाज कल्याण अधिकारी को अपनी परेशानी बताई। विभाग द्वारा दिव्यांग हर्ष के आवश्यक दस्तावेज का परीक्षण करके त्वरित रूप से जिला कार्यालय में ही डिजिटल श्रवण यंत्र और 36 नग बैटरी प्रदाय की गई तथा उपकरण के उपयोग के संबंध में आवश्यक जानकारी दी। जिले के सारंगढ़ तहसील के ग्राम पंचायत ठाकुरदिया निवासी दयानिधि पटेल के 3 वर्षीय पुत्र हर्ष को जन्म के बाद से ही कम सुनाई देने की समस्या थी।

शिक्षा की रौशनी से चमका तरौद का स्कूल

शिक्षकों की पदस्थापना की खबर पाकर खुश हैं गांव के बच्चे

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। कभी शिक्षक की कमी से जूझ रहा बालोद ज़िले का छोटा-सा गांव तरौद में शिक्षा की एक नई उम्मीद जगी है। जहां पहले सिर्फएक ही शिक्षक के भरोसे पूरा स्कूल चल रहा था, अब यहां चार विषय विशेषज्ञ शिक्षकों की नियुक्ति की खबर से गांव में उत्साह का माहौल है। छत्तीसगढ़ सरकार की इस पहल ने बच्चों, अभिभावकों और पूरे गांव में शिक्षा को लेकर एक नई ऊर्जा भर दी है।

लगभग 60 विद्यार्थियों वाला यह शासकीय हाईस्कूल बीते दो वर्षों से शिक्षकों की कमी से जूझ रहा था। पढ़ाई बाधित होती थी, एक शिक्षक से सभी विषयों की जिम्मेदारी निभा पाना नामुमकिन था। बच्चों के भविष्य को लेकर अभिभावकों की चिंता बढ़ती जा रही थी। लेकिन मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में युक्तियुक्तकरण की पहल ने इस अंधेरे को आशा की किरण दिखाई है।

युक्ति युक्तकरण वास्तव में शिक्षकों और संसाधनों के असमान वितरण को दूर करने की एक सुव्यवस्थित प्रक्रिया है, जिसमें जरूरतमंद स्कूलों में योग्य शिक्षकों की तैनाती की जाती है। इसी योजना के तहत अब तरौद के हाईस्कूल में चार नए शिक्षक पदस्थ किए गए हैं, जो अलग-अलग विषयों के हैं। इससे अब हर विषय की पढ़ाई नियमित और गुणवत्ता पूर्ण हो सकेगी।

गांव के सरपंच धर्मेंद्र कुमार रामटेके की बातों से ग्रामीणों की भावनाएं झलकती हैं। पहले स्कूल में पढ़ाई की स्थिति अच्छी नहीं थी। जनभागीदारी समिति कई बार गांव के युवाओं को बुलाकर बच्चों के अध्ययन अध्यापन की व्यवस्था करती थी। शासन ने अब हमारे गांव के स्कूल को चार नए शिक्षक देकर बच्चों के अध्ययन-अध्यापन की बेहतर व्यवस्था कर दी है। इसके लिए हम मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के आभारी हैं। श्रीमती महेश्वरी ठाकुर, स्कूल की जनभागीदारी समिति की अध्यक्ष कहती हैं कि शिक्षा बच्चों का अधिकार है, और शासन ने यह अधिकार लौटाया है। अब हमें चिंता नहीं करनी पड़ेगी कि हमारे बच्चों को कौन पढ़ाएगा।

स्कूल में शिक्षकों की पदस्थापना की खबर पाकर गांव के बच्चे भी बेहद खुश हैं। पढ़ाई को लेकर उनमें ललक और उत्साह दिखाई देने लगा है। बच्चों को हर विषय में अलग-अलग शिक्षक मिलना किसी सौगात से कम नहीं है। अब वह अच्छी पढ़ाई लिखाई करके डॉक्टर, इंजीनियर, शिक्षक या अधिकारी बनने के सपने देखने लगे हैं।

तरौद अब केवल एक गांव नहीं रहा, बल्कि छत्तीसगढ़ के शिक्षा सुधारों का उदाहरण बन गया है। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में युक्तियुक्तकरण की यह पहल पूरे जिले के स्कूलों में चल रही है। शासन का स्पष्ट लक्ष्य है कि हर स्कूल में शिक्षक हों, और हर बच्चा शिक्षा से वंचित न रहे। शिक्षा की रोशनी जब दूर-दराज के गांवों तक पहुंचती है, तो उसका असर सिर्फ किताबों तक नहीं रहता। वह पूरे समाज को एक नई दिशा देती है। ग्राम तरौद का यह बदलाव इसी सकारात्मक सोच और योजनाबद्ध प्रयास का नतीजा है। छत्तीसगढ़ में शिक्षा की यह नई सुबह, निश्चित ही पूरे प्रदेश को प्रगति की ओर ले जाएगी।

नवा रायपुर स्थित नए आवास में स्वास्थ्य मंत्री जायसवाल का गृह प्रवेश

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल ने शुक्रवार को अटल नगर, नवा रायपुर स्थित एम-9 शासकीय निवास में गृह प्रवेश किया। इस अवसर पर वैदिक मंत्रोच्चार और पारंपरिक रीति-रिवाजों के साथ पूजा-अर्चना संपन्न हुई।

स्वास्थ्य मंत्री ने इस अवसर पर कहा कि यह नवीन निवास उन्हें जनसेवा की जिम्मेदारी को और अधिक निष्ठा व समर्पण के साथ निभाने के लिए प्रेरित करेगा। उन्होंने मां महामाया से प्रार्थना की कि वे उन्हें जनता की सेवा में तत्पर रखें और कर्तव्यों को निष्ठापूर्वक निभाने की शक्ति प्रदान करें।

स्वास्थ्य मंत्री ने मातृ एवं शिशु अस्पताल रायपुर का किया निरीक्षण

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल ने रायपुर में कालीबाड़ी स्थित मातृ एवं शिशु अस्पताल का निरीक्षण किया। श्री जायसवाल ने संपूर्ण अस्पताल का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने प्रसव पूर्व निगरानी कक्ष, पोषण पुनर्वास केंद्र समेत अन्य वार्डों का निरीक्षण किया।

निरीक्षण के दौरान स्वास्थ्य मंत्री ने अस्पताल में भर्ती मरीजों और उनके परिजनों से भी बात की और अस्पताल में मिलने वाली सुविधाओं की जानकारी ली।

श्री जायसवाल ने निरीक्षण के पश्चात अस्पताल प्रबंधन और चिकित्सकीय स्टाफकी बैठक लेते हुए उन्हें मरीजों के हित में और बेहतर कार्य करने के लिए आवश्यक दिशा निर्देश दिए। स्वास्थ्य मंत्री श्री श्याम बिहारी जायसवाल ने अस्पताल में मरीजों के हित में फैसला लेते हुए बैठक के दौरान अस्पताल के लिए 4 मेडिकल ऑफिसर, 25 स्टाफ नर्स, 10 वार्ड आया, 5 वार्ड बॉय, 2 लैब टेक्निशन और 2 लैब असिस्टेंट की पदस्थापना की घोषणा की। इसके साथ ही उन्होंने ये भी कहा कि अस्पताल परिसर में विधायक निधि से जेनेरिक मेडिकल स्टोर भी जल्द खुलेगा।

कला साधना की तपस्थली खैरागढ़ में कला की नई क्रांति

विदेशी कलाकारों द्वारा प्रवेश हेतु बढ़-चढ़कर किया जाता है आवेदन, रचनात्मक प्रतिभा को उजागर कर, कला के क्षेत्र में रच रहा नया इतिहास

श्रीकंचनपथ न्यूज

खैरागढ़। छत्तीसगढ़ के इंदिरा कला संगीत विश्वविद्यालय, खैरागढ़ नृत्य, संगीत एवं ललित कला के क्षेत्र में एशिया का एकमात्र विशिष्ट विश्वविद्यालय है। यह संस्थान विद्यार्थियों के लिए एक समग्र, शोधोन्मुख एवं विद्यार्थी-केंद्रित वातावरण तैयार कर उनकी रचनात्मक क्षमता को जागृत करने और कला की गहराइयों से परिचित कराने का सुनहरा अवसर प्रदान करता है।

संगीत विश्वविद्यालय में शैक्षणिक सत्र 2025-26 के लिए ऑनलाइन आवेदन आमंत्रित किया गया है। ऑनलाइन प्रवेश प्रक्रिया का पंजीयन 16 जून तक होगी। प्रवेश के लिए प्रथम अभिरुचि परीक्षा 24 से 27 जून तक आयोजित होगा, 30 जून तक इसका परिणाम जारी किया जाएगा। इसी तरह द्वितीय अभिरुचि परीक्षा 22 से 24 जुलाई तक आयोजित होगी, इसकी चयन सूची 25 जुलाई को जारी की जाएगी।

छत्तीसगढ़ शासन द्वारा इस विश्वविद्यालय को अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर स्थापित करने का निर्णय लिया गया है। भारत के अतिरिक्त अन्य कई देशों के विदेशी विद्यार्थियों द्वारा भी इस विश्वविद्यालय में प्रवेश हेतु बढ़-चढ़कर आवेदन किए जा रहें है। इस विश्विद्यालय में स्नातक और स्नातकोत्तर स्तर पर हिन्दुस्तानी गायन, हिन्दुस्तानी वायलिन, सितार, सरोद, तबला, कत्थक, भरतनाट्यम, ओडिसी, लोक संगीत, नाटक, नृत्य, चित्रकला, मूर्तिकला, टेक्सटाइल्स डिज़ाइन जैसे पाठ्यक्रमों में डिप्लोमा और डिग्री दी जाती है। इस विस्तृत पाठ्यक्रम संरचना से न केवल कला की विविध धाराओं में पारंगत होने का अवसर मिलेगा, बल्कि विद्यार्थियों का सर्वांगीण विकास सुनिश्चित होगा। इसके साथ-साथ विश्वविद्यालय में शोधात्मक गतिविधियों के विस्तार हेतु विभिन्न विषयों में पीएच.डी. एवं डी.लिट् की सुविधा प्रदान करने वाला संभवत: भारत का एकमात्र विश्वविद्यालय है।

इंदिरा गांधी कला विश्वविद्यालय रचनात्मकता का मुक्त मंच- यहां छात्रों को अनुभवी शिक्षकों द्वारा मनोहारी प्राकृतिक वातावरण में तनावरहित शिक्षण एवं प्रशिक्षण प्रदान किया जाता है, जिससे उनकी कला में गहराई एवं शोध का समागम होता है। नृत्य, संगीत, ड्रामा एवं ललित कला के साथ-साथ अन्य विषयों की भी व्यापक जानकारी दी जा रही है, जिससे छात्रों का बौद्धिक विकास सुनिश्चित हो रहा है। विश्वविद्यालय का लक्ष्य शुद्ध अंत:करण एवं बाधा रहित प्रशिक्षण व्यवस्था के साथ कला साधकों को ज्ञान के नए आयामों तथा कला की सच्ची भावना से परिचित कराना है। इंदिरा कला संगीत विश्वविद्यालय न केवल एक शिक्षण संस्थान है, बल्कि यह एक ऐसा मंच है जहाँ विद्यार्थी अपनी रचनात्मक प्रतिभा को उजागर कर, कला के क्षेत्र में नया इतिहास रच रहे हैं। विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों द्वारा लगातार राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर 700 से अधिक पुरस्कार प्राप्त किए हैं। हाल ही में यूथ-फेस्टिवल में संगीत विश्वविद्यालय द्वारा चौंपियनशिप ट्राफी प्राप्त किया है। इस विश्वविद्यालय को सभी कला साधकों एवं समुदाय के लिए एक तीर्थस्थल के रूप में स्थापित किया गया है, जहाँ परंपरा एवं नवाचार साथ-साथ प्रगति कर रहें हैं। विश्वविद्यालय के शैक्षणिक सत्र 2025-26 के प्रवेश हेतु विश्वविद्यालय की अधिकारिक वेबसाईट

222.द्बह्मह्य1.ड्डष्.द्बठ्ठ

पर विस्तृत जानकारी प्राप्त की जा सकती है।

खास खबर

कार व बाईक की भिड़त में बाइक सवार युवक की हुई मौत

कोंड़ागांव। सिटी कोतवाली थाना क्षेत्र अंतर्गत दूधगांव के पास स्थित बस्तरिया ढाबा के सामने राष्ट्रीय राजमार्ग-30 पर शुक्रवार दोपहर में कार एवं बाईक के बीच हुए एक दर्दनाक सड़क हादसे में बाइक सवार युवक गणेशराम कोर्राम की मौके पर ही मौत हो गई। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार मृतक युवक गणेशराम कोर्राम, फरसगांव थाना क्षेत्र के चारकाई भांडारसिवनी गांव का निवासी था, अपनी मोटर साइकिल से जगदलपुर से कोण्डागांव की ओर जा रहा था। उसी दौरान सामने से तेज रफ्तार में आ रही एक कार ने उसे टक्कर मार दी। आमने-सामने की इस टक्कर में गणेशराम कोर्राम को गंभीर चोटें आईं और उसने घटनास्थल पर ही दम तोड़ दिया। हादसे की सूचना पर कोण्डागांव पुलिस मौके पर पहुंचकर शव को पोस्टमार्टम के लिए भिजवाया । पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच कर रही है, वहीं कार चालक से पूछ-ताछ की जा रही है। जांच के आधार पर आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

5 लाख इनामी नक्सली मरौ नूरेटी उर्फ राजू नुरुटी गिरफ्तार

कांकेर। थाना छोटे बेटिया पुलिस एवं बीएसएफ ने घेराबंदी कर बिनागुंडा के जंगल से 5 लाख रुपये के इनामी नक्सली मरौ नूरेटी उर्फ राजू नुरुटी को गिरफ्तार कर लिया है।

थाना छोटे बेटिया पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार मुखबीर की सूचना पर बीएसएफ एवं छोटे बेटिया पुलिस की संयुक्त टीम ने घेराबंदी कर एक संदिग्ध व्यक्ति को हिरासत में लेकर, कड़ाई से पूछताछ करने पर अपना नाम मरौ नूरेटी उर्फ राजू नूरेटी विनागुंडा निवासी बताया, उसने यह भी स्वीकार किया कि नक्सली कमाण्डर रामदेर, शंकर राव, दर्शन पद्दा, सोनू दरों, कैलाश, लिंगू मधु, हीरालाल, देव सिंह, रुपी, गोपी एवं अन्य 15 से 20 नक्सलियों के साथ ग्राम झारावर के आगे पहाड़ी जंगल में पुलिस के साथ हुई मुठभेड़ शामिल रहा। थाना छोटे बेटिया में गिरफ्तार इनामी नक्सली मरौ नूरेटी उर्फ राजू नुरुटी विरूद्ध अपराध क्रमांक धारा 147,148,149,302भा दवि 25,27 आर्म्स एक्ट के तहत कार्यवाही उपरांत शुक्रवार को न्यायालय भानुप्रतापपुर मैं पेशकर न्यायिक रिमांड में लिया गया।

चलती गाड़ी में महिला के पर्स से 50 हजार चोरी

बिलासपुर। ऑटो सवार महिलाओं ने चलती गाड़ी में महिला का पर्स खोलकर 50 हजार रुपए पार कर दिए। दरअसल, महिलाएं इस तरह की वारदात को पहले भी अंजाम दे चुकी हैं। पीड़ित महिला को चोरी की जानकारी ऑटो से उतरने के बाद हुई। महिला की शिकायत पर पुलिस केस दर्ज कर मामले की जांच कर रही है। साथ ही सीसीटीवी वीडियो के जरिए महिलाओं के गैंग की तलाश कर रही है। घटना सिविल लाइन थाना क्षेत्र की है। मंगला निवासी बहुरा बाई श्रीवास शुक्रवार को अपनी बहन पुष्पा श्रीवास से मिलने उसके घर तिफरा गई थी।

कोरबा में पति को छोड़कर प्रेमी के साथ भागी पत्नी, दो बच्चों को भी छोड़ा

कोरबा। छत्तीसगढ़ के कोरबा जिले में चौंकाने वाला मामला सामने आया है। यहां एक महिला अपने पति व दो बच्चों को छोड़कर प्रेमी के साथ भाग गई। खास बात यह है कि जब पति को उसकी पत्नी के अफेयर का पता चला तो उसने इसका विरोध किया। तब महिला ने यूपी के नीले ड्रम जैसा हाल करने की धमकी दी। यही नहीं ज्यादा विरोध करने पर बच्चों को भी जान से मारने की धमकी दी।

इस मामले में जब पति ने थाने पहुंचकर गुहार लगाई तो पत्नी अपने प्रेमी के साथ हाजिर हुई और अपनी सहमति से प्रेमी के साथ जाने की बात कही। मिली जानकारी के अनुसार यह पूरा मामला मानिकपुर चौकी क्षेत्र का है। साउथ ईस्टर्न कोलफील्ड लिमिटेड (SECL) की आउटसोर्सिंग कंपनी में ड्राइवर के रूप में काम करने वाले संजय जांगड़े (26) ने वर्ष 2017 में रुखसाना बानो से लवमैरीज की। दोनों के दो बच्चे भी हैं। दोनों की लाइफ ठीक चल रही थी। बीते कुछ समय से रुखसाना का व्यवहार संजय के प्रति बदल गया था। संजय को शक हुआ और जब उसने कॉल डिटेल निकलवाई तो चौंकाने वाली सच्चाई सामने आई। रुखसाना का अफेयर सूरज महतो नाम के युवक से चल रहा था और कई बार युवक से उसकी पत्नी कई घंटों तक बात करती थी। जब वो काम पर जाता तो पीछे से उसकी पत्नी सूरज महतो से बात करती थी।

विरोध किया तो धमकाया, बच्चों को मारने की दी धमकी

संजय को अपनी पत्नी रुखसाना के अफेयर की जानकारी मिलने के बाद उसने विरोध किया तो उसे धमकी मिलने लगी। रुखसाना ने सोशल मीडिया पर वायरल 'नीली टंकी'वाली रील का हवाला देकर कहा कि अगर उसे प्रेमी के साथ जाने नहीं दिया गया तो उसका भी हश्र वैसा ही होगा। वहीं अगर ज्यादा दबाव बनाया तो बच्चों और उसे मार देगी। इसके बाद संजय ने अपनी पत्नी को समझाने का काफी प्रयास किया लेकिन वह नहीं मानी और प्रेमी के साथ चली।

दर्ज कराई शिकायत

इसके बाद संजय ने मानिक चौकी पहुंचकर पत्नी की गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कराई। उसने बताया कि जिस युवक के साथ वह गई है वह बिहार का रहने वाला है और कोरबा में दुकान में काम करता है। दोनों के बीच मोबाइल से संपर्क हुआ और धीरे-धीरे बातचीत बढ़ी और वह उसके साथ भाग गई। पति द्वारा शिकायत दर्ज कराए जाने के बाद पुलिस ने खोजबीन की तो रुखसाना अपने प्रेमी सूरज महतो के साथ मानिकपुर चौकी पहुंचे। रुखसाना ने अपनी मर्जी से पति व बच्चों को छोड़कर जाने की बात कही। अब इस मामले में पुलिस भी कुछ नहीं कर पा रही है। वहीं इस घटना के बाद संजय जांगड़े ने लोगों से अपील करते हुए कहा कि लव मैरीज करने से पहले हजार बार सोचें।

बिना हेलमेट बाइक चलाना पुलिस अफसरों को पड़ा भारी

श्रीकंचनपथ न्यूज

जशपुर। आमतौर पर देखा जाता है कि यातायात नियमों का उल्लंघन करने पर वाहन चालकों का चालान होता है। इसके लिए पुलिस विभाग व यातायात विभाग होता है। ऐसा कम ही होता है कि पुलिस अफसर व पुलिस कर्मियों का चालान काटा जाए।

छत्तीसगढ़ के जशपुर जिले में ऐसा हुआ है। जिले के एसएसपी शशिमोहन सिंह आम जनता के साथ विभागीय अफसरों व कर्मियों को भी हेलमेट पहनकर वाहन चलाने जागरूक कर रहे हैं। नियम का पालन नहीं करने 12 पुलिस अधिकारी व कर्मचारियों चालान काटा गया। बता दें एसएसपी शशि मोहन सिंह के नेतृत्व व दिशानिर्देश में जशपुर पुलिस सड़क दुर्घटनाओं में होने वाले जनहानि की कमी लाने हेतु आम जनता को यातायात नियमों के प्रति विभिन्न कार्यक्रमों के माध्यम से लगातार जागरूक कर रही है। साथ ही बार-बार नियमों का उल्लंघन करने पर सख्त चालानी कार्यवाही भी कर रही है।

आमजन से अपील है कि यातायात नियमों का पालन करें जिससे कि समय रहते दुर्घटनाओं से बचाव हो सके। इसी कड़ी में जशपुर पुलिस के द्वारा पिछले माह जिले में बढ़ती सड़क दुर्घटनाओं के प्रभावी नियंत्रण के लिए चालानी कार्यवाही के दौरान शराब पीकर वाहन चलाने वाले के खिलाफ कठोर कार्यवाही की गई है एवं कार्यवाही लगातार जारी है। इसके साथ ही मोडिफाइड साइलेंसर बेचने वाले आटो डीलरों को भी समझाइश दी गई है कि वे अपने आटो सेंटर में मोडिफाइड साइलेंसर न रखे और न बिक्री करें, ऐसा पाए जाने पर विधिवत कार्यवाही की जाएगी।

पीएम आवास के नाम पर ठगी, फर्जी बैंक अधिकारी बनकर पहुंचा गांव, गिरफ्तार

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। दुर्ग जिले के बोरी थाना क्षेत्र में प्रधानमंत्री आवास योजना का लोन दिलाने के नाम पर ठगी का मामला सामने आया है। आरोपी फर्जी बैंक अधिकारी बनकर गांव पहुंचता था और ग्रामीणों को अपने झांसे में लेकर उनसे ठगी करता था। पुलिस ने 2 आरोपियों को गिरफ्तार किया है।

मिली जानकारी के अनुसार निजेन्द्र बारले पिता श्यामदास बारले (36 साल) निवासी बड़े टेमरी ने बोरी थाने में मामले की FIR दर्ज कराई है। उसने बताया कि चेतन कुमार वर्मा बैंक ऑफ बड़ौदा का फर्जी अधिकारी बनकर उनके गांव पहुंचा था। उसने प्रधान मंत्री आवास योजना के तहत लोन दिलाने के नाम पर भोले भाले ग्रामीणों को अपने झांसे में लिया। जब ग्रामीण लोन के लिए तैयार हो गए तो उसने उनसे दस्तावेज लिया और लोन दिलवाने के के नाम पर उसने 34 हजार रुपए फोन पे के जरिए ले लिए। जब पैसा देने के बाद भी ग्रामीणों को लोन नहीं मिला तो उन्होंने इसका पता लगाया। जैसे ही उन्हें पता चला कि चेतन फर्जी बैंक अधिकारी बनकर आया था तो वो बोरी थाने पहुंच गए। उन्होंने 3 जून 2025 को थाना बोरी अंतर्गत आने वाली चौकी लिटिया सेमरिया में मामले की शिकायत दी। बोरी पुलिस ने जब मामले की जांच की तो पाया कि आरोपी चेतन वर्मा ने पीएम आवास के नाम पर लोन दिलाने के लिए अलग-अलग गांवों के कई लोगों को निशाना बनाया है। वह बकायदा चार पहिया वाहन स्कॉर्पियो सीजी 08 बीबी 8804 से अलग-अलग गांव जाता था। आरोपी इतना शातिर था कि वो फॉर्म भरने के बाद ग्रामीणों से नकद पैसा खुद रखता था और जो लोग ऑनलाइन पेमेंट करते थे उस पेमेंट को वो अपने दोस्त अतेश गंजीर (33) ग्राम फरहद जिला राजनांदगांव के खाते में करवाता था। इसके बाद उस रकम को दोनों लोग बराबर-बराबर बांट लेते थे। पुलिस ने दोनों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है।

ऑनलाइन फ्रॉड : दो म्यूल अकाउंट होल्डर गिरफ्तार

श्रीकंचनपथ न्यूज

सक्ती। ऑनलाइन साइबर ठगी के मामले में सक्ती पुलिस ने जिले के दो युवकों को गिरफ्तारी किया है। दोनों युवक ठगी का रकम इधर-उधर करने साइबर ठगों को बैंक अकाउंट उपलब्ध कराते थे। दोनों के खाते में करोड़ों रुपए का लेन-देन हुआ है। पुलिस के मुताबिक इन आरोपियों के खिलाफ देशभर में 126 शिकायतें हुई है। दोनों को 8 राज्यों की पुलिस ढूंढ रही थी। सक्ती एसडीओपी मनीष कुंवर ने बताया कि भारत सरकार के समन्वय पोर्टल पर साइबर ठगी से जुड़े संदिग्ध खाते पर कार्यवाही के लिए जानकारी प्राप्त हुई थी।

उच्च अधिकारियों के निर्देश पर जांच शुरू की गई। जांच में म्यूल खाता धारक सक्ती निवासी सौरभ अग्रवाल उर्फ चीनू के पीएनबी खाते में 14 जनवरी 2024 से 30 जनवरी 2024 तक कुल 3,48,73,171 रुपए संदिग्ध रूप से लेन देन करना पाया गया है। सक्ती थाने में सौरभ अग्रवाल उर्फचीनू के विरुद्ध धारा 420 आईपीसी का अपराध दर्ज किया गया है। पुलिस ने बताया कि उक्त खाते का सत्यापन पीएनबी बैंक से प्राप्त दस्तावेज एवं आरोपी से उसके चालू खाता की चेक बुक और एटीएम जब्त कर की गई है।

कई अन्य जानकारी बैंक से प्राप्त करना शेष है। पुलिस ने बताया कि आरोपी सौरभ अग्रवाल के विरुद्ध देश के 5 राज्यों में कुल 60 साइबर ठगी संबंधी शिकायतें हुई है। हरियाणा, राजस्थान, कर्नाटक और तेलंगाना में ठगी तथा छत्तीसगढ़ के जांजगीर चांपा में ऑनलाइन सट्टा का अपराध दर्ज है। एसडीओपी मनीष कुंवर ने बताया कि समन्वय पोर्टल के अनुसार फर्स्ट लेयर म्यूल अकाउंट होल्डर सौरभ अग्रवाल की सहभागिता साइबर ठगी में पाए जाने और आरोपी द्वारा आरोप स्वीकार करने, पर्याप्त साक्ष्य पाए जाने पर आरोपी को विधिवत गिरफ्तार कर न्यायालय में रिमाड प्रस्तुत कर जेल दाखिल किया गया है।

इसी प्रकार चरौदा निवासी निखिल कर्ष के पीएनबी बैंक खाते में 11/1/24 से 30/1/24 तक कुल 5,43,62,525 रुपए संदिग्ध रूप से लेन-देन पाया गया था। इस पर थाना सक्ती में धारा 420 आईपीसी का अपराध दर्ज किया गया। उक्त खाते के विरुद्ध देश में 66 साइबर शिकायतें और पश्चिम बंगाल, बिहार और कर्नाटक में कुल 05 मामले दर्ज हैं। फर्स्ट लेयर म्यूल अकाउंट धारक निखिल कर्ष को साक्ष्य के आधार पर विधिवत गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड प्राप्त किया गया है।

कब्जा हटाने पहुंचे निगम कर्मियों पर हमला, पुलिस ने एक महिला सहित दो को किया गिरफ्तार

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। वैशाली नगर थाने के नए भवन निर्माण के रास्ते में कब्जा करने वालों ने निगम कर्मियों पर पत्थर से हमला किया और उनसे गाली गलौच की। इस मामले में निगम कर्मियों की शिकायत पर वैशाली नगर पुलिस ने एक महिला व एक पुरुष को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। दोनों के खिलाफ शासकीय कार्य में बाधा पहुंचाने का मामला दर्ज किया गया।

बता दे वार्ड क्रमांग-14 शांति नगर में थाना वैशाली नगर के भवन निर्माण के लिए शासकीय भूमि खसरा क्रमांक-7941/1 रकबा 1.260 है आबंटित हुआ है। जिसमें राजस्व निरीक्षक कोहका के प्रतिवेदनानुसार 56000 वर्ग फीट की भूमि पर कुछ लोगो के द्वारा बाउण्ड्रीवाल, शेड निर्माण, मकान, गार्डन व तार फेसिंग कर अवैध कब्जा किया गया था। जिसे हटाने के लिए अतिरिक्त तहसीलदार भिलाई नगर के ज्ञापन के अनुसार कब्जाधारियों को शासकीय जमीन में किये गये कब्जा हटाने पूर्व में 03 बार नोटिस दिया गया। नोटिस देने के बाद भी कब्जेदारों द्वारा अवैध कब्जा नहीं हटाया नहीं गया। इसके बाद 2 जून को पुलिस बल की मौजूदगी में जोन-02 राजस्व के संयुक्त अमले ने कब्जा हटाने की कार्रवाई की।

कार्रवाई के दौरान देवेन्द्र विश्वकर्मा के मकान में निवासरत किरायेदार सलीना और सदरूद्दीन अंसारी द्वारा निगम कर्मचारियों से गाली गलौज करते हुए उन पर पत्थर तथा डण्डे से हमला करने की कोशिश की गई। इस मामले में निगम कर्मी मोहन तिवारी की शिकायत पर बीएनएस की धारा 296, 221, 132 के तहत अपराध दर्ज कर विवेचना में लिया गया। विवेचना के दौरान थाना वैशाली नगर पुलिस टीम द्वारा आरोपियां सलीना एवं आरोपी सदरूद्दीन अंसारी को पकड़कर थाना लाया गया। पूछताछ करने पर अपना जुर्म स्वीकार किया गया। सलीना एवं सदरूउद्दीन अंसारी निवासी शांति नगर भिलाई को धारा 41(1)(बी) जा.फौ के तहत कार्यवाही कर जेल भेजा गया है। उपरोक्त कार्यवाही में थाना वैशाली नगर पुलिस टीम की सराहनीय भूमिका रही।

तहसीलदार गिरफ्तार, घूसखोरों के खिलाफ एबीसी की बड़ी कार्रवाई

श्रीकंचनपथ न्यूज

कोंडागांव। छत्तीसगढ़ के कोंडागांव ने एबीसी एक और बड़ी कार्रवाई की है। घूस लेते हुए एक अफसर को गिरफ्तार किया गया है। एंटी करप्शन ब्यूरों ने प्रभारी तहसीलदार को 15 हजार की रिश्वत लेते पकड़ा है। तहसीलदार दिनेश सिंह की गिरफ्तारी के बाद पूरे परिसर में हड़कंप मच गया। एसीबी की टीम ने आरोपी के खिलाफ भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम की धाराओं के तकत केस दर्ज कर आगे की कार्रवाई कर रही है। दरअसल, पीड़ित ने एंटी करप्शन ब्यूरो में रिश्वखोरी की शिकायत की थी। शिकायत पर टीम ने जांच करावाई। जांच में शिकायत सहीं पाये जाने पर ट्रैप आयोजित कर प्रभारी तहसीलदार को रंगे हाथ 15 हजार की रिश्वत लेते पकड़ा गया। एंटी करप्शन की टीम ने आरोपी तहसीलदार के पास से घूस की रकम भी बरामद कर ली है। आरोपी को गिरफ्तार कर इस संबंध में पूछताछ की जा रही है। वहीं, तहसीलदार के गिरफ्तारी की सूचना के बाद कोंडागांव तहसील परिसर में हड़कंप मच गया।

लाखों की ठगी करने वाला फरार आरोपी गिरफ्तार

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। प्रार्थी कृपाराम रवानी पिता स्व. हरिराम रवानी उम्र 70 वर्ष पता बी.एम वाय चरोदा संगम चौक थाना पुरानी भिलाई के लड़का को रायपुर मंत्रालय में चपरासी के पद पर नौकरी लगाने के नाम पर 2 लाख 62 हजार रूपयें कि ठगी करने की शिकायत पर अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया।

विवेचना के दौरान आरोपीयान अंजली कर्मकार पिता बी. एल कर्मकार उम्र 43 वर्ष एवं सुरेश तिवारी पिता संताराम तिवारी उम्र 38 वर्ष साकियान राधा कृष्ण मंदिर लोहार पारा भिलाई 03 को गिर. कर न्यायालय पेश किया जा चुका है। प्रकरण में एक आरोपी सर्वजीत ग्रेवाल उर्फ पप्पू शर्मा जो घटना दिनांक से फरार चल रहा था। प्रकरण के फरार आरोपी को गिरफ्तार करने हेतु थाना पेट्रोलिंग व एसीसीयू की

टीम को निर्देशित किया गया था।

दौरान विवेचना उनके परिजनों के मोबाइल नंबर को ट्रेस करने पर आरोपी के वर्तमान लोकेशन मैत्रीकुंज रिसाली से हिरासत में लेकर पूछताछ कर कथन लिया जिसने बताया कि इसका अंजली व सुरेश तिवारी से जान पहचान थी। पूर्व मे लोहार पारा राधाकृष्ण मंदिर भिलाई 03 अंजली कर्मकार के मकान में यह अपने परिवार सहित किरायें में रहता था। उसी मकान में सुरेश तिवारी भी किराये से रहता था, बैंक आफ इंडिया शाखा चरोदा भिलाई 03 जिला दुर्ग मे इसका खाता क्रमांक 931010310000344 था। इसके बैंक खाता में चेक बुक जारी हुआ था, अंजली कर्मकार एवं सुरेश तिवारी ने एक व्यक्ति से नौकरी लगाने के नाम से पैसा लिये थे। अंजली कर्मकार एवं सुरेश तिवारी ने सर्वजीत को बोला कि जिससे पैसा लिये है वह बहुत परेशान कर रहा है उसको पैसा देना है। तब अंजली कर्मकार एवं सुरेश तिवारी ने सर्वजीत को चेक मांगा तब इसके द्वारा चेक क्रमांक 490013005 को बिना कुछ लिखे कोरा चेक दिया था, इसको मालूम था कि इसके खाता मे पैसा नही है, यह जानते हुये इसने चेक बिना हस्ताक्षर कियें दिया था। इस प्रकार आरोपीगणों द्वारा एक राय होकर रायपुर मंत्रालय में नौकरी लगाने के नाम से धोखाधड़ी करना पाये जाने से आरोपी के विरूद्ध पर्याप्त साक्ष्य सबूत पाये जाने से गिरफ्तार कर माननीय जेएमएफसी न्यायालय भिलाई 03 पेश किया गया। उक्त कार्यवाही में निरी. अंबर सिंह भारद्वाज, सउनि सुभाष कुमार साहू, आर. संजय मनहरे क्र 173, आर. ईश्वर भारद्वाज क्र 234 व एसीसीयू स्टाफ की उल्लेखनिय भूमिका रही है।

- तीन माह का एकमुश्त चावल वितरण पर रखें निगरानी
- जून माह तक आगामी तीन माह का चावल ले सकते हैं राशनकार्डधारी
- पीएससी और व्यापम को रिक्त पदों पर भर्ती के लिए प्रस्ताव भेजने के निर्देश

राशन वितरण में शिकायत आने पर तत्काल कार्यवाही करें: मंत्री दयालदास बघेल

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। खाद्य मंत्री दयालदास बघेल ने मंत्रालय महानदी भवन में वरिष्ठ अधिकारियों की बैठक लेकर विभागीय काम-काज की समीक्षा की। मंत्री श्री बघेल ने बैठक में कहा कि सरकार ने प्रदेश के सभी राशनकार्ड धारियों को माह जून से अगस्त तक तीन माह का एकमुश्त चावल देने का निर्णय लिया है। राज्य के सभी 13965 शासकीय उचित मूल्य दुकानों के माध्यम से हितग्राहियों को एक जून से चावल वितरण प्रारंभ हो गया है। उन्होंने चावल वितरण में तेजी लाने के साथ ही सभी राशनकार्ड धारियों को आगामी तीन माह का एकमुश्त चावल मिले इस पर विशेष रूप से निगरानी रखने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि चावल वितरण में गड़बड़ी की शिकायत आने पर तत्काल कार्यवाही किया जाना सुनिश्चित हो। उन्होंने उचित मूल्य के दुकानों में चावल भंडारण की स्थिति की भी जानकारी ली।

खाद्य मंत्री श्री बघेल ने बैठक में वर्ष 2022-23 से वर्ष 2024-25 के स्टॉक सत्यापन की कार्यवाही की भी जानकारी ली। अधिकारियों ने बताया कि सितम्बर 2022 की स्थिति में भौतिक सत्यापन उपरांत कम पाए गए खाद्यान्न की वसूली तेजी के साथ किया जा रहा है। अधिकारियों ने बताया कि 335 उचित मूल्य के दुकानों में लगभग 124 करोड़ के राशन सामग्री कम पाए गए थे, जिसमें से 119 करोड़ रूपए की वसूली की जा चुकी है। पांच करोड़ रूपए की वसूली शेष है, जिस पर कार्यवाही की जा रही है। वहीं 27 उचित मूल्य दुकान संचालकों के विरूद्ध एफ्आईआर दर्ज करायी गई थी। मंत्री श्री बघेल ने शेष वसूली भी शीघ्र करने के निर्देश अधिकारियों को दिए। मंत्री ने चना वितरण एवं भंडारण की स्थिति की भी जानकारी ली।

खाद्य मंत्री श्री बघेल ने खरीफविपणन वर्ष 2023-24 और 2024-25 में मिलर्स द्वारा केन्द्रीय और राज्य पुल में चावल जमा की स्थिति की भी समीक्षा की। अधिकारियों ने बताया कि मिलर्स द्वारा 2023-24 के शेष 0.88 लाख मीट्रिक टन चावल को जमा करने के लिए 30 जून तक का समय दिया गया है। इसी प्रकार खरीफविपणन वर्ष 2024-25 में 25.43 लाख मीट्रिक टन चावल जमा किया जाना है। जिसके विरूद्ध 14.86 लाख मीट्रिक टन उपार्जित कर लिया गया है, जो चावल जमा का 58.43 प्रतिशत है। शेष चावल की जमा करने की कार्यवाही तेजी गति से चल रही है। मंत्री श्री बघेल ने वित्तीय वर्ष 2023-24 के चावल जमा करने की तिथि 30 जून के पश्चात समय में वृद्धि नही करने और तेजी के साथ चावल जमा कराने के निर्देश दिए। उन्होंने आगामी खरीफविपणन वर्ष 2025-26 में धान खरीदी की तैयारी, समितियों में खरीदी व्यवस्था की तैयारी सहित संग्रहण केन्द्र में धान की भौतिक स्थिति, मिलर्स को प्रोत्साहन राशि का भुगतान, न्यायालयीन प्रकरणों की अद्यतन स्थिति की भी समीक्षा की। बैठक में खाद्य विभाग की सचिव श्रीमती रीना बाबा साहेब कंगाले, नागरिक आपूर्ति निगम के प्रबंध संचालक श्रीमती किरण कौशल, मार्कफेड के प्रबंध संचालक श्री रमेश शर्मा, विधिक मापविज्ञान विभाग के संचालक श्री देवेन्द्र भारद्धाज सहित खाद्य विभाग के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

रिक्त पदों की पूर्ति हेतु शीघ्र भर्ती

खाद्य मंत्री बघेल ने कहा कि रिक्त पदों की पूर्ति हेतु शीघ्र भर्ती की प्रक्रिया शुरू की जाए। उन्होंने वित्त विभाग से अनुमति ले चुके पदों के लिए पीएससी और व्यापंम को भर्ती प्रस्ताव भेजने के निर्देश अधिकारियों को दिए। उन्होंने कहा कि उपभोक्ता आयोग राज्य एवं जिला स्तर पर अध्यक्षों और सदस्यों के रिक्त पदों पर विधिसम्मत भरने की कार्यवाही की जाए। उन्होंने आयोग में लंबित प्रकरणों के शीघ्र निराकरण पर जोर दिया। मंत्री श्री बघेल ने विधिक मापविज्ञान विभाग की प्रगति की समीक्षा की। नाप तौल विभाग के अधिकारियों ने बताया कि वर्ष 2024-25 में नाप तौल के सत्यापन एवं मुद्रांकण से 13.5 करोड़ रूपए की राजस्व प्राप्ति हुई है। वहीं 2.21 लाख नाप तौल उपकरणों का सत्यापन किया गया है। मंत्री श्री बघेल ने कहा कि माप तौल प्रक्रिया को सरल बनाया जाए। वहीं लायसेंस प्रदान करने की समय सीमा भी कम की जाए।

दूरस्थ इलाकों में पहुंचेगी शिक्षा की रोशनी

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा लागू की गई युक्तियुक्तकरण नीति ने दूरस्थ क्षेत्रों के स्कूलों में अध्ययन-अध्यापन की बेहतर व्यवस्था की नई उम्मीद जगी है। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के निर्देश पर स्कूलों में शिक्षकों की तैनाती की प्रक्रिया को तेज़ी से और पूरी पारदर्शिता के साथ पूरा किया जा रहा है। कलेक्टर निलेशकुमार महादेव क्षीरसागर के मार्गदर्शन में जिले में युक्तियुक्तकरण की प्रक्रिया बेहद सुचारू और निष्पक्ष तरीके से पूरी कर ली गई है। अब तक जिन स्कूलों में या तो शिक्षक नहीं थे या केवल एक शिक्षक की तैनाती थी, अब वहां विषय-विशेषज्ञ शिक्षक उपलब्ध हो गए हैं। इससे गणित, विज्ञान और अन्य विषयों अध्ययन-अध्यापन अच्छे से हो सकेगा।

शिक्षकों ने जताया भरोसा और आभार

इस प्रक्रिया से शिक्षक भी बेहद संतुष्ट नज़र आ रहे हैं। शिक्षिका श्रीमती सिंधु श्रीवास्तव ने बताया कि काउंसलिंग के

दौरान स्क्रीन पर रिक्त पदों की जानकारी दी गई, जिससे स्कूल चयन में कोई दिक्कत नहीं हुई। उन्होंने सरकार और प्रशासन के प्रति आभार व्यक्त किया। वरिष्ठ शिक्षक श्री मनोज कुमार जैन, जो पहले माध्यमिक शाला देवडोंगर में पदस्थ थे, ने कहा कि सेवानिवृत्ति के करीब होने के बावजूद उनकी इच्छानुसार और पारदर्शी तरीके से स्कूल चयन करने का अवसर मिला। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ सरकार की इस पहल से अब ग्रामीण स्कूलों में गणित, रसायन और जीवविज्ञान जैसे विषयों के विशेषज्ञ शिक्षक मिल सकेंगे, जिससे बच्चों की पढ़ाई में सुधार होगा। शिक्षक आत्माराम मंडावी ने बताया कि उन्हें उनके ही ब्लॉक के विद्यालय में युक्तियुक्तकरण के माध्यम से पदस्थ किया गया है, उन्हें यह उम्मीद नहीं थी। उन्होंने कहा कि जब कलेक्टर, सीईओ और जिला शिक्षा अधिकारी स्वयं काउंसलिंग प्रक्रिया में उपस्थित रहे, तो प्रक्रिया की विश्वसनीयता स्वत: सिद्ध हो गई।

समावेशी शिक्षा की दिशा में बड़ा कदम

शिक्षक वर्ग का मानना है कि इस पारदर्शी तरीके से युक्तियुक्तकरण की प्रक्रिया पूरी हुई है। इससे जरूरत वाली शालाओं में शिक्षकों की पदस्थापना होने से शिक्षा की गुणवत्ता बढ़ेगी। इससे विद्यार्थियों और अभिभावकों का सरकारी स्कूलों पर विश्वास भी मजबूत होगा। यह पहल समावेशी शिक्षा व्यवस्था की दिशा में बड़ा कदम है। राज्य शासन की युक्तियुक्तकरण नीति ने छात्रों के उज्ज्वल भविष्य की नींव भी मजबूत की है। शिक्षक समुदाय ने इसके लिए छत्तीसगढ़ सरकार और जिला प्रशासन कांकेर को धन्यवाद दिया है।

राज्यपाल डेका से सरस्वती शिक्षा संस्थान के मेधावी विद्यार्थियों ने की मुलाकात

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। राज्यपाल रमेन डेका से यहां राजभवन में छत्तीसगढ़ माध्यमिक शिक्षा मंडल द्वारा इस वर्ष आयोजित 10वीं बोर्ड परीक्षा में सर्वोच्च अंक लेकर प्रावीण्य सूची में स्थान बनाने वाले सरस्वती शिक्षा संस्थान के विद्यार्थियों ने मुलाकात की।

श्री डेका ने सभी विद्यार्थियों को बधाई एवं शुभकामनाएं दी तथा स्मृति चिन्ह देकर सम्मान किया। साथ ही पांच-पांच हजार रूपये की अनुदान राशि प्रोत्साहन स्वरूप प्रदान की।

इस अवसर पर श्री डेका ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए उनका उत्साह वर्धन किया और कहा कि बच्चों के सामने बेहतर भविष्य है। वे अच्छे से अध्ययन करें और देश की सेवा करें। आज के दौर में बहुत प्रतिस्पर्धा है। इसलिए हर क्षेत्र में विकल्प रखना चाहिए।

कैरियर के लिए बहुत संभावनाएं हैं। विद्यार्थी जो भी करें उसे उत्तम करने का प्रयास करें। श्री डेका ने कहा कि पालक और बच्चों के बीच में अच्छा संबंध होने चाहिए। अपने माता-पिता एवं परिवारजनों के साथ आनंद पूर्वक रहें। कार्यक्रम में डेका ने प्रावीण्य सूची में स्थान प्राप्त करने वाले कक्षा 10वीं के प्रवीण प्रजापति चन्द्रपुर, कु. कोमल यादव चन्द्रपुर, शुभम देवांगन चन्द्रपुर, जयेन्द्र जायसवाल पाण्डातराई, गगन सिंह लोरमी, आदित्य प्रताप सिंह सेक्टर 04 भिलाई को सम्मानित किया। कार्यक्रम में राज्यपाल के सचिव डॉ. सी. आर. प्रसन्ना, सरस्वती शिक्षा संस्थान छत्तीसगढ़ के पदाधिकारी एवं संबंधित शालाओं के प्राचार्य उपस्थित थे।

विश्व पर्यावरण दिवस पर वृक्षारोपण और संगोष्ठी का आयोजन

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर जिला पंचायत सभागार में जल-वन-जन संगोष्ठी और वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में छत्तीसगढ़ के वन मंत्री केदार कश्यप, खाद्य मंत्री दयालदास बघेल, अपर मुख्य सचिव वन ऋचा शर्मा सहित कई गणमान्य लोग मौजूद रहे।

वन मंत्री श्री कश्यप ने संगोष्ठी को संबोधित करते हुए कहा कि बेमेतरा जिला वनविहीन है और इसे हराभरा बनाना हम सबकी जिम्मेदारी है। उन्होंने सरकारी भवनों में रेनवाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम को अनिवार्य बनाने की बात कही और जल संकट से

निपटने के लिए जल मित्र ग्राम की अवधारणा पेश की।

कार्यक्रम में खाद्य मंत्री बघेल ने भी अपने उद्बोधन में जल संरक्षण को हर नागरिक की जिम्मेदारी बताया और किसानों से कम पानी वाली फसलों को अपनाने की अपील की।

इस अवसर पर अपर मुख्य सचिव वन ऋचा शर्मा ने 'एक घर-एक पौधा' अभियान का सुझाव दिया और स्कूलों में वृक्षारोपण के लिए जन जागरूकता अभियान चलाने की आवश्यकता बताई। कार्यक्रम में कलेक्टर श्री रणबीर शर्मा ने जल संकट से जुड़ी जानकारियाँ साझा कीं। कार्यक्रम में विधायक, जनप्रतिनिधि, अधिकारी, किसान और नागरिक बड़ी संख्या में शामिल हुए।

जशपुर में मनाया जाएगा राज्य स्तरीय अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। आगामी 21 जून को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर राज्य स्तरीय वृहद सामूहिक योगाभ्यास का आयोजन जिला जशपुर में प्रस्तावित है। इस भव्य आयोजन की तैयारी को लेकर जशपुर जिला मुख्यालय में स्थित रेस्ट हाउस में एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में छत्तीसगढ़ राज्य योग आयोग के अध्यक्ष रूपनारायण सिन्हा ने कार्यक्रम की रूपरेखा और दिशा पर मार्गदर्शन प्रदान किया।

बैठक में जिला कलेक्टर रोहित व्यास, स्थानीय विधायक श्रीमती रायमुनी भगत, नगर पालिका परिषद अध्यक्ष अरविन्द भगत, जनपद पंचायत अध्यक्ष गंगाराम भगत, भरत सिंह, तथा विभिन्न विभागों के वरिष्ठ अधिकारियों एवं योगाचार्यों ने भाग लिया। योग आयोग के अध्यक्ष सिन्हा ने कहा,

ष्हमारा लक्ष्य है कि जशपुर के सुदूर वनांचल के प्रत्येक व्यक्ति तक योग के महत्व को पहुंचाया जाए। आज योग केवल शारीरिक अभ्यास नहीं, बल्कि एक प्रभावी चिकित्सा पद्धति बन चुका है। असाध्य रोगों के उपचार से लेकर नशामुक्ति तक योग की भूमिका अहम सिद्ध हो रही है।

विधायक रायमुनी भगत ने कहा, ष्योग का अर्थ है जोड़ना। हमें जिले के अंतिम व्यक्ति तक योग की महत्ता को पहुंचाना चाहिए। आज संपूर्ण विश्व योग के लाभों को स्वीकार कर रहा है और इसका उपयोग शारीरिक, मानसिक एवं आर्थिक विकास के लिए कर रहा है। बैठक में कार्यक्रम की रूपरेखा, स्थान चयन, जनसहभागिता और प्रचार-प्रसार पर गहन चर्चा हुई।

बैठक के बिंदु सह प्रतिवेदन टी. पी. भावे, उप संचालक समाज कल्याण विभाग ने प्रस्तुत किया। जिला पंचायत के अतिरिक्त मुख्य कार्यपालन अधिकारी प्रदीप राठिया, लोक निर्माण, जल संसाधन, विद्युत, शिक्षा, आयुर्वेद, खेल, महिला एवं बाल विकास, आदिवासी विकास सहित सभी विभागों के अधिकारीगण, मुख्य नगर पालिका अधिकारी, योग समन्वयक अशोक यादव, योग मित्र, गणमान्य नागरिक एवं योगाचार्यगण उपस्थित रहे।

कृषि विश्वविद्यालय में तीन दिवसीय राष्ट्रीय आम महोत्सव प्रारंभ

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय, रायपुर तथा संचालनालय उद्यानिकी एवं प्रक्षेत्र वानिकी, छत्तीसगढ़ शासन तथा प्रकृति की ओर सोसायटी के संयुक्त तत्वावधान आज से तीन दिवसीय राष्ट्रीय आम महोत्सव का शुभारंभ हुआ। यह आम महोत्सव रविवार 8 जून तक चलेगा। राष्ट्रीय आम महोत्सव में आम की 200 से अधिक किस्मों एवं आम से बने 56 व्यंजनों का प्रदर्शन किया जा रहा है।

इस आम महोत्सव में छत्तीसगढ़ सहित देश के विभिन्न राज्यों के 450 से अधिक किसानों द्वारा विभिन्न किस्मों के 1200 से अधिक आमों का प्रदर्शन किया जा रहा है। इसके साथ ही आमों से बने 56 उत्पादों का प्रदर्शन भी किया जा रहा है। देश के विभिन्न हिस्सों से आए आम उत्पादकों द्वारा आम के विभिन्न किस्मों के फ्लों तथा पौधों का विक्रय भी किया जा रहा है। इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. गिरीश चंदेल ने आज कृषि विश्वविद्यालय तथा राज्य शासन के संचालनालय उद्यानिकी के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ आम प्रदर्शनी का अवलोकन किया।

आम महोत्सव में आम की विभिन्न किस्मों की प्रतियोगिताएं आयोजित की जा रही है

जिसमें छत्तीसगढ़ एवं देश के विभिन्न राज्यों के आम उत्पादक शामिल हुए हैं। अवसर पर आम से बने विभिन्न व्यंजनों की प्रतियोगिताएं भी आयोजित हैं। आम की सजावट प्रतियोगिता भी आयोजित की जा रही है जिसमें विद्यालयीन एवं महाविद्यालयीन विद्यार्थी, महिलाएं तथा अन्य सामान्यजन भी पंजीयन कर भागीदारी कर सकते है। इस महोत्सव में पंजीयन एवं प्रवेश पूर्णतया नि:शुल्क है। राष्ट्रीय आम महोत्सव में संस्थागत एवं व्यक्तिगत प्रतियोगी भी सहभागी हो सकते हैं।

राष्ट्रीय आम महोत्सव में 6 से 8 जून, 2025 तक विभिन्न श्रेणियों में प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जाएगा जिसमें किसानों द्वारा उत्पादित आम की व्यावसायिक किस्मों के अंतर्गत दशहरी, लंगडा, बाम्बे ग्रीन, चौसा, मालदा, हिमसागर, सुन्दरजा, केसर, अलफान्सो, तोतापरी, नीलम बैगनफल्ली, पैरी, सिन्दूरी, फज़ली किस्मों की प्रतियोगिता आयोजित की जाएगी। संकर किस्मों की प्रतियोगिता के अंतर्गत मल्लिका, आम्रपाली, पूसा अरूणिमा, अम्बिका, रत्ना, सिंधु, अर्का पुनीत किस्मों को शामिल किया गया है। विशिष्ट किस्मों की प्रतियोगिता के अंतर्गत हाथीझुल, नूरजंहा, लड्डु, गुलाब खास

किस्मों के उत्पादक भाग ले सकते हैं। एक्जोटिक (आयातित किस्म) की प्रतियोगिता में मियाजाकी, टॉमी एटकिन्स एवं गोल्डन नगेट्स किस्मों को शमिल किया गया है। इस अवसर पर आम से निर्मित उत्पादों की प्रतियोगिता का भी आयोजन किया जाएगा जिसमें प्रतिभागी आम से निर्मित उत्पाद - नेक्टर/आर.टी.एस., शर्बत, पना, आम के अचार, आम की चटनी, आम पापड़, आमरस, जैम एवं मिठाई आदि व्यंजनों के साथ प्रतियोगिता में भाग ले सकते हैं। इसके अतिरिक्त राष्ट्रीय आम महोत्सव में प्रतिभागियों हेतु आम आधारित मॉडल एवं बोनसाई, आम आधरित सजावट प्रतियोगिता का भी आयोजन किया जा रहा है। इस अवसर पर प्रकृति की ओर सोसायटी की ओर से आम की पांच गुठलियाँ लाने वाले व्यक्तियों को एक उन्नत किस्म के आम का पौधा दिया जा रहा है। प्रदर्शनी अवलोकनार्थ तीनों दिन साय: 9 बजे तक खुली रहेगी। आयोजन स्थल पर एक फूड कोर्ट भी लगाया गया है, जहां विविध प्रकार के सुस्वादु व्यंजन भी उपलब्ध हैं।

आम महोत्सव के द्वितीय दिवस कल 7 जून को आम उगाने वाले कृषकों एवं जिज्ञासुओं के लिए 12 बजे से 4 बजे तक ''आम उत्पादन रू समस्या एवं समाधान'' विषय पर तकनीकी मार्गदर्शन एवं परिचर्चा का आयोजन किया गया है, जिसमें छत्तीसगढ़ में उच्च गुणवत्ता के आम की विभिन्न किस्मों का उत्पादन, आम के विभिन्न उत्पाद एवं उनके विपणन के साथ ही आम उत्पादन हेतु छत्तीसगढ़ शासन की योजनाओं की भी जानकारी प्रदान की जायेगी, जिससे नयी पीढ़ी के लोग आम उत्पादन की ओर आकृष्ट हो सकें। आम उत्पादन को पर्यावरण के संरक्षण के साथ एक स्वास्थ्यवर्धक व्यवसाय के रूप में अपनाने की जानकारी आम लोगों को प्रदान की जा जाएगी। तृतीय दिवस 8 जून को आम उत्पादक कृषकों एवं उद्यामियों की सफ्लता की कहानी उन्हीं की जुबानी 12 से 4 बजे तक आयोजित होगा।

राष्ट्रीय आम महोत्सव के अंतिम दिन प्रदर्शनी के अवलोकन के साथ ही प्रतिभागियों के लिए पुरस्कार वितरण एवं सम्मान समारोह का आयोजन भी किया जायेगा। इस आयोजन का मुख्य उद्देश्य राष्ट्रीय फ्ल ''आम'' जो कि आम जनता का प्रिय फ्ल है उसकी समस्त सामान्य एवं खास किस्मों, विशिष्ट उत्पादों एवं भविष्य में अधिक उत्पादन के लिए रोजगार के साधनों की जानकारी नागरिकों, महिलाओं, विद्यार्थियों, नव उद्यमियों एवं कृषकों को प्रदान करना है।

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक राजेश अग्रवाल द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि. छत्तीसगढ़ भवन, प्रेस काम्पलेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित कर, 204 आकाशगंगा सुपेला, भिलाई जिला दुर्ग (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक राजेश अग्रवाल shreekanchanpath2010@gmail.com, Mo - 9303289950